RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 11 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 02-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 सरकार को अपनी सोच बदलनी चाहिए : पायलट

6 दोहरी चुनौती में भी दिखाई दिलेरी, आतंकवादियों को ढूंढ़कर ढेर किया

7 असाधारण महिलाओं को पर्दे पर जीवंत करने में माहिर हैं विद्या बालन

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने इस्लामी धर्मगुरु की गोली मारकर हत्या की

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक इस्लामी धर्मगुरु की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान जिले की बिरमल तहसील में हुई। हमलावरों ने मौलाना मोहम्मद इस्माइल पर हमला किया, जो स्थानीय जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के नेता भी थे। हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी संगठन या व्यक्ति ने नहीं ली है।

वायलिन वादक एल. सुब्रमण्यम को मिला श्रीलंका का सर्वोच्च राजकीय सम्मान

नई दिल्ली/भाषा। श्रीलंका ने प्रख्यात वायलिन वादक और पद्म विभूषण से सम्मानित एल. सुब्रमण्यम को संगीत क्षेत्र में उनके योगदान तथा भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिए अपने सर्वोच्च राजकीय सम्मान से सम्मानित किया है। आयोजकों की ओर से जारी बयान के अनुसार, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायाके और प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या की ओर से धार्मिक एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री हिनिदुमा सुनील सेनेवी ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। बयान के अनुसार यह सम्मान भारतीय शास्त्रीय संगीत में सुब्रमण्यम के योगदान और भारत तथा श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए उनके प्रयासों के लिए दिया गया।

परिसीमन लागू करने की कोशिश को नाकाम किया जाना चाहिए : राहुल गांधी

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को यहां कहा कि सभी तमिल और राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को केंद्र सरकार के परिसीमन लागू करने के प्रयास को संसद में नाकाम करना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने यहां मामल्लापुरम के निकट पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि जो कोई भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु और राज्य के भविष्य के साथ विश्वासघात करता है तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भाजपा को राज्य के लोगों पर हमला करने का मौका देता है। उन्होंने कहा, किसी भी तमिल व्यक्ति को परिसीमन का समर्थन नहीं करना चाहिए। हर तमिल व्यक्ति को इसका विरोध करना चाहिए। गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है और इसका मकसद तमिल लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करना है।

आंध्र विनिर्माण केंद्र बनने के लिए तैयार : नरेन्द्र मोदी

भोगपुरम हवाईअड्डे का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश में विकास की संभावनाओं पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वैश्विक कंपनियां राज्य में मौके तलाश रही हैं, जो विनिर्माण गतिविधियों का केंद्र बन सकता है। भोगपुरम में नए हवाई अड्डे का उद्घाटन करने और 18,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि यह हवाई अड्डा आंध्र प्रदेश, खासकर उत्तरी क्षेत्र के विकास के लिए रनवे का काम करेगा। अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण 5,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। इसकी शुरुआती वार्षिक यात्री प्रबंधन क्षमता 60 लाख यात्रियों की है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर चार करोड़ यात्रियों तक किया जा सकता है। उन्होंने कहा, गूगल ने (विशाखापत्तनम में) 15 अरब डॉलर के एआई और क्लाउड अवसंरचना परिसर की भी घोषणा की है। कई अन्य वैश्विक कंपनियां भी नई संभावनाओं पर विचार कर रही हैं। इससे आंध्र प्रदेश और देश के युवाओं को बहुत फायदा होगा। मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार नाका पल्ली में एक बड़े फार्मा पार्क के लिए भी सहायता कर रही है, जिसे आंध्र प्रदेश में एक बड़े फार्मा केंद्र के तौर पर विकसित किया जाना है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि देश के विमानन सेक्टर ने पिछले 12 साल में असाधारण प्रगति की है और हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 166 से ज्यादा हो गई है। मोदी के अनुसार, वैश्विक कंपनियां आंध्र प्रदेश में मौके तलाश रही हैं और इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हाल ही में आंध्र प्रदेश के लिए दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की गई है और राज्य में एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि देश की 'नीली अर्थव्यवस्था' पहल तेजी पकड़ रही है, जिससे उत्तरी आंध्र प्रदेश के एक तटीय आर्थिक गलियारे के तौर पर उभरने की राह बन रही है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश में विनिर्माण और दवा उद्योग का केंद्र बनने की क्षमता है।

31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने शनिवार को कहा कि 31 जुलाई तक कर निर्धारण वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। कर निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए बिना किसी जुर्माने और ब्याज के आयकर रिटर्न (आईटीआर) 1 और 2 दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई थी। यह तिथि उन करदाताओं के लिए थी, जिनके खातों का ऑडिट होना अनिवार्य नहीं है।

पिछले वर्ष 16 सितंबर 2025 तक 7.3 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए थे, जो कर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए रिटर्न दाखिल करने की विस्तारित तिथि थी। आयकर विभाग ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कर निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए 31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए!''

आईटीआर फॉर्म-1 (सहज) एक सरल फॉर्म है जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करता है। 'सहज' फॉर्म 50 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले निवासी व्यक्ति द्वारा दाखिल किया जा सकता है, जिनकी आय वेतन, एक मकान संपत्ति और सालाना 5,000 रुपये तक की कृषि आय से होती है।

विवेकानंद के सपनों को पूरा करने का दायित्व वर्तमान पीढ़ी पर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत के युवाओं से सेवा, नवोन्मेष, शिक्षा और अनुशासन के जरिए खुद को राष्ट्र-निर्माण में झोंक देने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के भारत के सपने को पूरा करना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है। मोदी ने यहां श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र (विवेक स्मारक) का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस स्मारक को ऐसे युवाओं को तैयार करना चाहिए जो देश को खुद से ऊपर रखें और विवेकानंद के सेवा और त्याग के आदर्शों से प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि यह केंद्र रामकृष्ण मिशन के काम के विस्तार का एक नया कदम है।

भारत के बदलाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के युवा कभी औपनिवेशिक शासन में बंधे हुए थे, लेकिन आज वे वैश्विक विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। मोदी ने कहा, ''आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। इसे किसने मुमकिन बनाया है? भारत के युवाओं की क्षमता ने। भारत के युवा दुनिया के विकास को गति दे रहे हैं।'' उन्होंने देश को दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, तीसरा सबसे बड़ा 'स्टार्टअप इकोसिस्टम', दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फ़ोन निर्माता और सेमीकंडक्टर, कृत्रिम मेधा, डीप टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उसे तेजी से आगे बढ़ाने का श्रेय युवा भारतीयों को दिया। हाल में निजी तौर पर विकसित भारतीय रॉकेट के लॉन्च का ज़िक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इसने देश के युवा नवोन्मेषकों की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाया है।

कुलगाम आतंकी हमले के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कुलगाम में आतंकवादी हमले में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या के बाद शनिवार को श्रीनगर में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और सुरक्षा बलों को आतंकवादियों का सफाया करने के लिए सटीक एवं प्रभावी आतंकवाद-रोधी अभियान तेज करने का निर्देश दिया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सिन्हा ने बैठक की अध्यक्षता लोक भवन में की। बैठक में नागरिक प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, जिनमें मुख्य सचिव अतल डुल्लू, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, गृह विभाग के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती, मंडलीय आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एवं उपायुक्त शामिल थे।

प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल ने सभी उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को जम्मू कश्मीर के बाहर से आने वाले मजदूरों की सुरक्षा के लिए लागू मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की व्यापक समीक्षा करने का निर्देश दिया। सिन्हा ने कहा, आतंकवादियों का सफाया करने के लिए हमें सटीक और प्रभावशाली आतंकवाद-रोधी अभियान तेज करने होंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि नियोक्ता यह सुनिश्चित करें कि देश के अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए सभी श्रमिकों का बीमा कराया जाए तथा उनका विवरण स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन के पास पंजीकृत हो।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों को आतंकवादी हमले के पीड़ितों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार सुनिश्चित करने और शोक संतप्त परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। छत्तीसगढ़ के रहने वाले दीपक रात्रे और बोपिंदर की शुक्रवार देर शाम दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के केलम क्षेत्र में एक ईंट-भट्ठे पर हुए आतंकवादी हमले में मौत हो गई थी। अधिकारियों के अनुसार, दीपक रात्रे ने अस्पताल ले जाने से पहले ही दम तोड़ दिया, जबकि बोपिंदर को पहले सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अनंतनाग ले जाया गया। बाद में उसे सौरा स्थित एसकेआईएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पैरा गोला फेंक स्पर्धा में राणा ने जीता स्वर्ण

त्रिकूद में चित्रावेल को रजत और प्रभु को कांस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्लास्गो/भाषा। भारतीय पैरा गोला फेंक एथलीट सोमन राणा ने शनिवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता जबकि त्रिकूद स्पर्धा में प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। इस तरह भारत के लिए एथलेटिक्स में शनिवार का दिन शानदार रहा। पुरुषों की एफ57 गोला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करते हुए 2022 एशियाई पैरा खेलों के रजत पदक विजेता राणा ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 13.40 मीटर की दूरी तक गोला फेंका और पहला स्थान हासिल किया। भारत के ही शुभम जुयाल ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ 13.28 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि कैमरून के सेड्रिक अजामदजी ने 12.57 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

इससे पहले दिन की शुरुआत पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा में चित्रावेल के शानदार प्रदर्शन से हुई। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता चित्रावेल ने 16.58 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता और ग्लास्गो में अपने पिछले प्रदर्शन में सुधार किया। वहीं सेल्वा प्रभु ने 16.52 मीटर की कूद से कांस्य पदक हासिल किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका पहला बड़ा पदक है।

कुलगाम में दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या की हुई निंदा

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, कश्मीर के मुख्य धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक और अन्य नेताओं ने कुलगाम जिले में एक दिन पहले हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या की शनिवार को कड़ी निंदा की तथा इसे अत्यंत अमानवीय करार दिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कुलगाम के देवसर क्षेत्र में दो गैर-स्थानीय श्रमिकों की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है।

'अन्याय कभी स्थायी नहीं हो सकता'

19 साल बाद कोलकाता वापसी पर बोलीं तसलीमा नसरीन

कोलकाता/भाषा। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने शनिवार को कहा कि लगभग दो दशक बाद कोलकाता लौटना इस बात का सबूत है कि अन्याय लंबा तो हो सकता है, लेकिन स्थायी नहीं। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई हमेशा महिलाओं के अधिकारों और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए रही है, न कि किसी राजनीतिक पार्टी के पक्ष या विरोध में। शहर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में नसरीन ने कहा, कोलकाता वापस आकर मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं जिंदगी के उस हिस्से में लौट आई हूं जिसे मैं यहीं छोड़ गई थी। निर्वासन में बिताए अपने लंबे समय को याद करते हुए लेखिका ने कहा कि उन्हें ऐसे भविष्य की उम्मीद है जहां किसी भी लेखक को अपनी बात कहने के लिए अपना देश छोड़ने पर मजबूर न होना पड़े। उन्होंने कहा, मेरी वापसी यह साबित करती है कि अन्याय लंबा तो हो सकता है, लेकिन स्थायी नहीं हो सकता। मैं उस दिन का सपना देखती हूं जब किसी भी लेखक को कभी अपने देश से निर्वासित न होना पड़े। इस्लामी कट्टरपंथियों की धमकियों के कारण बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होने के बाद यूरोप में रहने वाली नसरीन ने कहा कि वह किसी राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रही हैं।

02-07-2026 सूर्यास्त	03-08-2026 सूर्योदय
6:36 बजे	5:56 बजे

BSE	NSE
78,094.64	24,383.60
(+166.49)	(+66.45)

सोना	चांदी
14,854 रु.	235,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

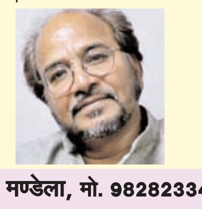

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँधी सोच

हैं विश्व शांति के पोषक पर,
चर्चा में रखते सदा युद्ध।
युग के संबंधों को तज कर,
पल में हो जाते बड़े क्रुद्ध।
संकीर्ण अभी भी मनोभाव,
चाहे खुद को कह लें प्रबुद्ध।
हम हुए खुले में शौच मुक्त,
पर खुली सोच के हैं विरुद्ध।।

निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित के लिए समर्पित हों युवा : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

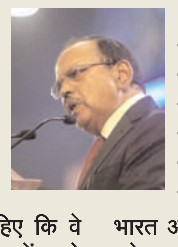

पुणे/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शनिवार को देश के युवाओं से राष्ट्रीय हित के लिए पूरी तरह समर्पित होने और निजी स्वार्थों से ऊपर उठने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत के सामने राष्ट्र निर्माण का जो ''अवसर का दौर'' है, उसका पूरा लाभ उठाया जाना चाहिए। डोभाल ने लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 ग्रहण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में कार्य करेंगे और संकीर्ण एवं अल्पकालिक हितों की उपेक्षा करेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यहां तिलक स्मारक ट्रस्ट की ओर से स्थापित यह पुरस्कार डोभाल को प्रदान किया। डोभाल ने कहा, आज के युवाओं को पूरी तरह समर्पित होकर यह संकल्प लेना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें अपने छोटे-छोटे निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और यदि ऐसे विचार मन में आएं भी तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत अपने इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और देश को इस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे देश के इतिहास में यह एक विशेष अवसर का समय है। हम इसे गंवाने का जोखिम नहीं उठा सकते। इस समय हमारी प्राथमिकता राष्ट्र निर्माण होनी चाहिए।'' देश के भविष्य पर विश्वास जताते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने कहा कि भारत अपने इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगा और इतिहास का नया अध्याय लिखेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि हम इस प्रयास में सफल होंगे और नया इतिहास रचेंगे।''

डोभाल ने कहा कि देश सौभाग्यशाली है कि उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जैसे नेतृत्व का मार्गदर्शन प्राप्त है। उन्होंने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक और दार्शनिक भी थे। उन्होंने कहा कि जब पुणे में प्लेग फैला और तिलक के 21 वर्षीय पुत्र का निधन हो गया, तब भी उन्होंने शहर नहीं छोड़ा और वहीं डटे रहे।

डोभाल ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी शायद यह मानती है कि भारत हमेशा से ऐसा ही था। संभव है कि युवा यह समझते हों कि स्वतंत्रता का अर्थ मनमर्जी करना है, जबकि स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं था। जिन लोगों ने स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए, जिन्होंने इसके लिए संघर्ष किया... उनमें लोकमान्य तिलक भी थे। लोगों के मन में पीड़ा थी, वे अपनी बात कहना चाहते थे। तिलक ने उन्हें बोलने का साहस दिया और उनमें नई चेतना का संचार किया।''

उद्घाटन

असम के गुवाहाटी स्थित सरुसजई स्टेडियम में शनिवार को डूरंड कप के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेते बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम।

केरल में भारी बारिश से बाढ़ और भूस्खलन, चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इडुक्की/कोट्टायम/भाषा। केरल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं के बीच शनिवार को इडुक्की और कोट्टायम जिलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य लोगों को बचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रशासन के अनुसार, मृतकों में इडुक्की जिले के कुडयाथूर के निकट अडूरमाला क्षेत्र की रहने वाली सुमति शामिल हैं। शनिवार तड़के हुए भूस्खलन का मलबा उनके घर पर आ गिरा, जिससे उनकी मौत हो गई।

पड़ोसियों ने उसके पति रवि और बेटे रथीश को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों को चोटें आयीं और उन्हें थोडुपुझा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन में उनका मकान पूरी तरह तबाह हो गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन एवं बचाव सेवा, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम के तलाशी अभियान के बाद सुमति का शव बरामद किया गया।

कोट्टायम जिले के पूनजार के पय्यानिथोट्टम क्षेत्र में हुए भूस्खलन में एक युवक की मौत हो गई और उसकी मां की मलबे में दबने से मौत हो गयी। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान जोसेफ (24) और उसकी मां रेजिना जॉनी (46) के रूप में की गयी है। अधिकारियों ने बताया कि जोसेफ को मलबे से निकाल लिया गया था, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। रेजिना का शव सुबह करीब साढ़े 10 बजे बरामद किया गया। एक अन्य घटना में, इडुक्की जिले के वागामोन क्षेत्र में भूस्खलन की चपेट में आने से प्रभाकरन नायर (77) नामक व्यक्ति की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि कोट्टायम जिले के वाइकोम निवासी नायर अपने एक रिश्तेदार के घर के एक शयनकक्ष में सो रहे थे, तभी भूस्खलन हुआ। उन्होंने बताया कि कई घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद उनका शव बरामद किया गया। इडुक्की जिले के कई हिस्सों में भूस्खलन और बाढ़ की सूचना मिली। इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार बारिश से उत्पन्न आपात स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से भूस्खलन और मिट्टी धंसने की घटनाओं की सूचना मिलने के बाद उन्होंने राजस्व मंत्री, मुख्य सचिव और सभी जिलाधिकारियों से बात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश में 18,000 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश में लगभग 18,000 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इससे पहले, उन्होंने विजयनगरम जिले के भोगपुरम में 5,700 करोड़ रुपये की लागत से बने अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम में 460 करोड़ रुपये की लागत वाली एएसआईपी सेमीकंडक्टर परियोजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना 'एएसआईपी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी के सहयोग से विकसित की जा रही है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति के अनुसार, यह 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत स्वीकृत आंध्र प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई है, जिसमें प्रतिवर्ष लगभग 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण होगा। इससे सेमीकंडक्टर विनिर्माण को समर्थन देने वाला एक मजबूत सहायक औद्योगिक तंत्र भी विकसित होगा। मोदी ने कुरनूल-4 नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र (आरईजेड) के चरण-1 (4.5 गीगावॉट) को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने वाली ट्रांसमिशन प्रणाली की भी आधारशिला रखी। इस परियोजना को पावरग्रिड द्वारा विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से लगभग 5,550 करोड़ रुपये के निवेश से लागू किया जा रहा है। उन्होंने लगभग 3,550 करोड़ रुपये की लागत से विकसित कुरनूल पवन ऊर्जा क्षेत्र और सौर ऊर्जा क्षेत्र (आंध्र प्रदेश) के भाग ए' और बी' की ट्रांसमिशन प्रणाली का उद्घाटन भी किया।

इसके अलावा उन्होंने अनंतपुरम (2,500 मेगावाट) और कुरनूल (1,000 मेगावाट) के सौर ऊर्जा क्षेत्रों के लिए 820 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित ट्रांसमिशन परियोजना का भी उद्घाटन किया। पीआईबी की विज्ञप्ति में कहा गया, ''इन ट्रांसमिशन परियोजनाओं से कुरनूल और अनंतपुरम के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उत्पादित बिजली को राष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सकेगा।'' विज्ञप्ति के अनुसार, इन परियोजनाओं से बड़ी मात्रा में नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने, मांग वाले क्षेत्रों में स्वच्छ बिजली की उपलब्धता बढ़ाने तथा जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम कर भारत के ऊर्जा परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रयासों को गति मिलेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 1,880 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

एनएसए डोभाल ने भारत की विदेश नीति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने भारत की विदेश नीति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक निर्णय के पीछे उनकी ''भूमिका और सलाह'' रही है।

यहां एनएसए डोभाल को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 प्रदान करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि लोकमान्य तिलक ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर आधारित नए राष्ट्रवाद की नींव रखी और आज देश उसी मार्ग पर आगे बढ़ रहा है, अब इससे पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं उठता। शाह ने कहा कि 2014 में सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहला चयन अजीत डोभाल को एनएसए के रूप में नियुक्त करके किया था। शाह ने कहा, ''एनएसए अजीत डोभाल ने भारत की विदेश नीति को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री मोदी के हर फैसले की पृष्ठभूमि में डोभाल की भूमिका और सलाह रही है।'' उन्होंने आसूचना ब्यूरो में डोभाल के लंबे करियर की सराहना करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत और आत्मविश्वासी बना है, तथा इस बदलाव में डोभाल ने एक बड़ी भूमिका निभाई है। शाह ने कहा कि अभियानों के खुफिया होने के कारण डोभाल के अधिकतर कार्यों का पूरी तरह से कभी खुलासा नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''2014 में एनएसए बनने के बाद डोभाल ने जमीनी स्तर पर कई रणनीतिक विचारों को लागू करने में मदद की और भारत के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी को मजबूत करने, अभियानगत क्षमता बढ़ाने व देश

भोगपुरम हवाई अड्डा उत्तरी आंध्र का 'गहना' : मुख्यमंत्री

भोगपुरम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को यहां अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के अवसर पर इसे उत्तरी आंध्र का 'गहना' बताया और कहा कि यह इस क्षेत्र की तस्वीर बदल देगा। लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से बने इस हवाई अड्डे का उद्घाटन आज दिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। हवाई अड्डे के उद्घाटन के बाद यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, ''भोगपुरम हवाई अड्डा उत्तरी आंध्र का गहना है... भोगपुरम हवाई अड्डा उत्तरी आंध्र की तस्वीर और भविष्य को बदल देगा। ठीक उसी तरह जैसे शमशाबाद हवाई अड्डे ने तेलंगाना का कायाकल्प कर दिया था।''

इस परियोजना के लिए अपनी जमीन देने वाले भोगपुरम के किसानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य को उसका भविष्य दिया है। एक अन्य बयान में जीएमआर समूह ने बताया कि भोगपुरम हवाई अड्डे से 17 अगस्त से वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन शुरू होगा। शुरुआती दौर में इसकी वार्षिक यात्री क्षमता 60 लाख होगी और इसे बढ़ाकर चार करोड़ किया जाएगा। जीएमआर समूह ने कहा कि हवाई अड्डे का निर्माण निर्धारित समय से कई महीने पहले पूरा कर लिया गया है। इस हवाई अड्डे को जीएमआर विशाखापत्तनम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित किया है।

हीराकुंड बांध से लगातार पानी छोड़े जाने पर 10 जिलों को अलर्ट पर रखा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के हीराकुंड बांध के 22 फाटकों के जरिए महानदी में लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नदी के निचले प्रवाह क्षेत्र में आने वाले राज्य के 10 जिलों को 'हाई अलर्ट' पर रखा गया है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को कहा कि राज्य में बाढ़ से करीब आठ लाख लोग प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरी ओडिशा में बाढ़ की स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं, लेकिन हीराकुंड बांध से पानी छोड़े जाने को देखते हुए प्रशासन का ध्यान महानदी डेल्टा क्षेत्र के अत्यधिक संवेदनशील जिलों कटक, पुरी, खुर्दा, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री माझी ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी और विशेष राहत आयुक्त राजेश प्रभाकर पाटिल के साथ राज्य के उत्तरी हिस्से के भद्रक, जाजपुर, बालासोर, मयूरभंज और क्योंझर जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने बाद में पत्रकारों से कहा कि इन इलाकों में बाढ़ का पानी घटने लगा है और स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दो दिनों में हालात और बेहतर हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि निचले इलाकों से करीब 2.69 लाख लोगों को सुरक्षित निकालकर 700 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है। इस साल ओडिशा के 20 जिलों में बाढ़ से आठ लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कारण सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और कई हेक्टेयर फसल को भी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के अनुसार, सालंगी, ब्राह्मणी, वैतरणी, जलका और बूढ़ाबलंगा नदियों के उफान के कारण उत्तरी ओडिशा में 1,300 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें भद्रक जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा। माझी ने अधिकारियों को बाढ़ का पानी कम होने के 72 घंटे के भीतर नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को सरकार की ओर से व्यापक राहत पैकेज उपलब्ध कराया जाएगा।

सेना ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ जनरल शर्मा को अंतिम विदाई दी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने शनिवार को अपने पूर्व प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) विश्वनाथ शर्मा को अंतिम विदाई दी। उनका अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। जनरल शर्मा का शुक्रवार सुबह दिल्ली में निधन हो गया था। वह 96 वर्ष के थे। सेना ने कहा, ''भारतीय सेना ने जनरल (सेवानिवृत्त) विश्वनाथ शर्मा को श्रद्धांजलि दी। आज दिल्ली के बरार स्क्वायर श्मशान घाट पर पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।'' सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सेना के सभी रैंकों की ओर से पुष्पांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि मिजोरम के राज्यपाल एवं पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल (सेवानिवृत्त) वी के सिंह ने भी पुष्पांजलि अर्पित की और अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

सेना ने एक बयान में कहा कि अंतिम संस्कार में सेना के कई पूर्व प्रमुख, वायु सेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख, कई सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी और परिवार के सदस्य शामिल हुए तथा शर्मा को अंतिम विदाई दी। जनरल शर्मा ने 30 अप्रैल 1988 से 30 जून 1990 तक सेनाध्यक्ष के रूप में कार्य किया और अपने पेशेवर करियर के दौरान कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए।

मोदी अपने नेताओं से कहें कि विरोधियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करें : राज ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भाजपा के नेताओं से कहना चाहिए कि वे अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करें।

उन्होंने यह भी पूछा कि दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों पर पुलिस कार्रवाई का आदेश देने वाले लोग आखिर माफी कब मांगेंगे। राज ठाकरे ने मनसे की छात्र इकाई महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्न पत्र लीक का मुद्दा युवा-नेतृत्व वाले इस आंदोलन की सिर्फ एक चिंगारी था, लेकिन इसे जो व्यापक समर्थन मिला, वह वर्षों से जमा हो रही तमाम शिकायतों और नाराजगी का नतीजा था। उन्होंने कहा, प्रदर्शन करने वालों में सभी छात्र नहीं थे, फिर भी वे सड़क पर उतरकर विरोध क्यों कर रहे थे? राज ठाकरे ने कहा कि यह युवाओं का आक्रोश है और यह आगे भी जारी रहेगा क्योंकि यह उनके भविष्य का सवाल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनके और उनकी दिवंगत मां के लिए भी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि ''ऐसे भटके हुए बच्चों'' को माफ कर उन्हें सही रास्ता दिखाया जाना चाहिए।

राज ठाकरे ने इसी बयान का जिक्र करते हुए कहा, मैं इससे सहमत हूं। किसी को भी इतनी निम्न स्तर की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। लेकिन उन्हें अपनी ही पार्टी के लोगों से भी यह कहना चाहिए। मनसे प्रमुख ने कहा कि भाजपा के लोग महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी से लेकर ठाकरे परिवार तक, किसी को भी नहीं छोड़ते। उन्होंने यह भी कहा कि कई अभिनेता मानते हैं कि अपनी बात सार्वजनिक रूप से न रखना ही बेहतर है क्योंकि उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ता है।

मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए कांग्रेस के सोशल मीडिया समन्वयक के खिलाफ मामला दर्ज

ऊना (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। पुलिस ने ऊना जिले में कांग्रेस के सोशल मीडिया समन्वयक मनीष के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में ऑनलाइन आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह प्राथमिकी दो शिकायतों के आधार पर दर्ज की गई। एक शिकायत भाजपा नेता कमल सैनी ने तहलीवाल पुलिस थाने में दर्ज कराई और दूसरी शिकायत दीपक फौजी नामक व्यक्ति ने हरोली पुलिस थाने में दी। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और वे संबंधित ऑनलाइन पोस्ट, डिजिटल सबूत और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रहे हैं।

केरल तट के पास दो नौकाएं पलटने से चार मछुआरे लापता

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में तिरुवनंतपुरम तट के पास समुद्र में उठी ऊंची लहरों और खराब मौसम के बीच दो अलग-अलग हादसों में दो नौकाएं पलटने से चार मछुआरे लापता हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे मछली पकड़कर लौट रही चार मछुआरों वाली एक फाइबर नौका यहां मुथालाप्पोझी मुहाने के पास पलट गई। पुलिस ने बताया कि लापता मछुआरों की पहचान अंचुथेंगू निवासी शिजीन (32) और फ्रीमन (28) के रूप में हुई है। नौका के मालिक जोस और एक अन्य मछुआरा स्मिथ तैरकर सुरक्षित किनारे पर पहुंचने में सफल रहे। खोज और बचाव अभियान शुरू करने में देरी का आरोप लगाते हुए मछुआरों के परिजनों ने अंचुथेंगू तटीय थाना क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि लापता मछुआरों की तलाश के लिए भारतीय नौसेना से सहायता मांगी गई है। अंचुथेंगू तटीय पुलिस ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल के सहयोग से तलाश अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण इसमें बाधा आ रही है। अंचुथेंगू तटीय पुलिस लापता लोगों का मामला दर्ज करती है।

भारी बारिश के कारण श्रद्धालुओं को 'निरापुथारी' रस्म के लिए शबरिमला यात्रा से परहेज की सलाह

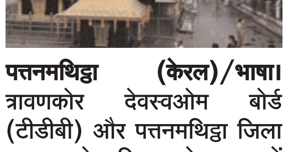

पत्तनमथिट्टा (केरल)/भाषा। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) और पत्तनमथिट्टा जिला प्रशासन ने शनिवार को श्रद्धालुओं से भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर रविवार और सोमवार को निरापुथारी अनुष्ठान के लिए शबरिमला मंदिर की यात्रा से बचने की अपील की। टीडीबी ने एक बयान में कहा कि दो दिवसीय निरापुथारी अनुष्ठान के दौरान मंदिर आने की योजना बना रहे श्रद्धालु अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यथासंभव यात्रा स्थगित करें।

पत्तनमथिट्टा जिला प्रशासन ने भी भारी बारिश, पंपा नदी में बाढ़, भूस्खलन की आशंका और क्षेत्र में जारी सुरक्षा अलर्ट का हवाला देते हुए श्रद्धालुओं से अपनी यात्रा पर पुनर्विचार करने की अपील की। टीडीबी ने सुझाव दिया कि श्रद्धालु इसके बजाय मलयालम माह 'चिंगम' के अवसर पर 16 से 21 अगस्त के बीच या ओणम पूजा के दौरान 24 से 28 अगस्त के बीच शबरिमला की यात्रा की योजना बना सकते हैं। यह परामर्श ऐसे समय जारी किया गया है जब केरल के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है और कई जिलों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है।

शिक्षण संस्थान नई पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों में बदलाव करें : होसबाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने शनिवार को कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को नई पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप अपनी शिक्षण पद्धतियों में लगातार परिवर्तन करते रहना चाहिए और साथ ही इन्हें भारत की सभ्यतागत ज्ञान-परंपरा से जुड़े रहना चाहिए। होसबाले मुंबई में 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'विकसित भारत के लिए शिक्षा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

आरएसएस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस कार्यक्रम में देशभर के शिक्षाविदों, उद्योग जगत की हस्तियों, नीति-निर्माताओं, कुलपतियों और मंत्रियों ने हिस्सा लिया। होसबाले ने कहा, शैक्षणिक संस्थानों को नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपनी शिक्षण पद्धतियों में लगातार बदलाव करते रहना चाहिए, लेकिन साथ ही भारत की संस्कृति, परंपराओं और ज्ञान-विरासत से जुड़े मूल्यों को भी बनाए रखना चाहिए। बयान के अनुसार, होसबाले ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए ऐसी शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जो केवल ज्ञान और कौशल ही नहीं, बल्कि चरित्र और मूल्यों का भी विकास करे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा को विद्यार्थियों के जीवन के समग्र विकास के लिए उन्हें तैयार करना चाहिए, जिसमें भौतिक प्रगति के साथ नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का संतुलन हो। विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए, होसबाले ने इसे देश की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया, न कि अंतिम लक्ष्य। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रगति को राष्ट्र की सांस्कृतिक नींव से जुड़ा रहना चाहिए।

प्रदर्शन में इस्तेमाल हुई भाषा के लिए माफी नहीं मांगेंगे, पुलिस कार्रवाई का जवाब दें : बोरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा सुधारों के लिए जंतर-मंतर पर 23 दिन तक भूख हड़ताल करने वालीं ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा ने केंद्र सरकार के खिलाफ कई प्रदर्शनकारियों की अपशब्दों वाली आलोचनाओं के लिए माफी मांगने या उनकी निंदा करने से मना कर दिया। उन्होंने आलोचकों पर आरोप लगाया कि वे 20 जुलाई की कार्रवाई के दौरान पैलेट गन और पुलिस बल के कथित इस्तेमाल से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। नेहा ने साक्षात्कार में कहा कि गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों की रिहाई की कोशिशों के साथ-साथ शाह के इस्तीफे और दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार को हटाने की मांग भी जारी रहेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही सिर्फ निचले स्तर के अधिकारियों तक ही सीमित नहीं रह सकती।

भाकपा (माले) लिबरेशन से जुड़े वामपंथी छात्र संगठन की प्रमुख नेहा ने 20 जुलाई को संसद तक हुए मार्च के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन और पुलिस बल के

इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार यह बताने में नाकाम रही कि सुरक्षाकर्मियों के पास ''पैलेट गन और कीलों वाली लाठियां'' क्यों थीं। उन्होंने पूछा, ''हम अब भी जवाब मांग रहे हैं। 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल क्यों किया गया? सुरक्षा बलों को पैलेट गन क्यों दी गईं? कीलों वाली लाठियां क्यों इस्तेमाल की गईं, जिनसे प्रदर्शनकारी घायल हुए?'' नेहा ने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों की भाषा को लेकर हो रहे विवाद का इस्तेमाल 20 जुलाई को संसद मार्च वाले दिन पुलिस की कार्रवाई के लिए जवाबदेही तय करने के मुद्दे को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म होने के बाद से ही, प्रदर्शनकारियों द्वारा अपशब्दों के इस्तेमाल के वीडियो ने राजनीतिक ध्यान खींचा है और कई लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी हुई है। ऐसी ही एक प्रदर्शनकारी 15 वर्षीय रुचिका सिंह है, जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीखी और अपशब्दों वाली आलोचना की, जिससे वह विवाद के केंद्र में आ गई और उसके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गईं। छात्र नेता ने कहा, ''आपको अपशब्दों का इस्तेमाल इतना बुरा लगता है। क्या आपको तब बुरा नहीं लगा जब धर्मेंद्र प्रधान ने शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों को आतंकवादी' कहा? क्या आपने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई? जब भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हमें वायरस कहा, तो क्या किसी ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई?''

कर्नाटक को कावेरी नदी से तमिलनाडु के लिए तत्काल जल छोड़ने का निर्देश दे उच्चतम न्यायालय: द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया कि वह कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी तुरंत छोड़ने का निर्देश दे।

पार्टी ने एक याचिका में कहा है कि कर्नाटक को उच्चतम न्यायालय के वर्ष 2018 के अंतिम फैसले और कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

द्रमुक ने अपनी याचिका में कहा, कर्नाटक सरकार (प्रतिवादी संख्या-1) को तत्काल और पूरी तरह से 28 जुलाई 2026 के कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देश को लागू करने का आदेश दिया जाए। सीडब्ल्यूआरसी के निर्देश को 30 जुलाई 2026 को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने भी मंजूरी दी थी। इसके तहत अदालत के आदेश की तारीख से अगले 15 दिन तक बिलीगुंडलु में प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ा जाना सुनिश्चित किया जाए और 29 जुलाई 2026 से अब तक हुई कमी की भी भरपाई की जाए।

याचिका में यह मांग भी की गई है कि कर्नाटक को 26 जुलाई 2026 तक बिलीगुंडलु में लगभग 9.46 टीएमसी पानी की जमा कमी को भी पूरा करने का निर्देश दिया जाए। इसके लिए अगले 15 दिन तक बिलीगुंडलु में प्रतिदिन लगभग 7,000 क्यूसेक पानी पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। याचिका में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण से यह भी कहा गया है कि वह कर्नाटक के जलाशयों से छोड़े जा रहे पानी और बिलीगुंडलु में पहुंच रहे जल की रोजाना निगरानी करे और अदालत को अनुपालन की रिपोर्ट दे।

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने बृहस्पतिवार को कावेरी जल विनियमन समिति की उस सिफारिश को बरकरार रखा था, जिसमें तमिलनाडु के लिए अगले 15 दिन तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने की बात कही गई थी। साल 2018 में केंद्र सरकार ने तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और पुडुचेरी के बीच कावेरी नदी के पानी के बंटवारे के विवाद को सुलझाने के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) का गठन किया था। इस प्राधिकरण में नदी से जुड़े राज्यों के प्रतिनिधियों के अलावा केंद्र सरकार का एक नामित सदस्य भी शामिल है।

कावेरी मुद्दे पर मुख्यमंत्री विजय तमिलनाडु में 'अलग-थलग' पड़ गये हैं : द्रमुक प्रमुख स्टालिन

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने शनिवार को आरोप लगाया कि कावेरी मुद्दे पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय तमिलनाडु में 'अलग–थलग' पड़ गए हैं, क्योंकि उन्होंने विरोध के बावजूद कर्नाटक जाने की कोशिश की। पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने यह भी जानना चाहा कि विजय इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे या नहीं? उन्होंने विजय से राज्य में संबंधित पक्षों से संपर्क करने को कहा। द्रमुक प्रमुख ने एक बयान में कहा कि तमिलनाडु में पार्टियों और किसान संगठनों के नेताओं ने चेतावनी दी थी कि मेकेदातु मुद्दे पर कर्नाटक के साथ बातचीत करने से कोई नतीजा नहीं निकलेगा और उन्होंने विजय से कर्नाटक न जाने का अनुरोध किया था।

उन्होंने तंज कसा कि चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए, तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री ने शायद यह सोचकर कर्नाटक में अपने प्रतिनिधि भेजे कि वे कावेरी नदी (के पानी) को अपने साथ वापस ला सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक तमिलनाडु को कावेरी नदी के अतिरिक्त पानी को खपाने वाले क्षेत्र के तौर पर ही देखता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु ने पिछले अनुभवों से यह सीखा है कि पानी छोड़ने से साफ इनकार करने वाले पड़ोसी राज्य से निपटने का एकमात्र तरीका कानूनी रास्ता ही है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का आदेश दिया, कर्नाटक ने अपने गेट बंद कर दिए और विजय से कहा कि उन्हें अब वहां आने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति की आशंका पहले से ही होने के कारण, तमिलनाडु में सभी ने उन्हें आगाह किया था। स्टालिन ने कहा कि कम से कम अब से मुख्यमंत्री को तमिलनाडु की जीवन–रेखा और बेहद अहम मुद्दे–कावेरी मामले–पर बातचीत करके आगे बढ़ना चाहिए। हमारे मुख्यमंत्री को न आने के लिए कहने के बाद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री (डी.के. शिवकुमार) ने दो अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई और अपने कृत्यों से यह दिखाया कि (कर्नाटक में) वे सब एकजुट हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि वह सर्वदलीय बैठक कब बुलाने वाले हैं। उन्होंने पूछा, ''क्या आप ऐसा कर सकते हैं या नहीं?'' स्टालिन ने कहा, ''अकेले काम करने की कोशिश में मुख्यमंत्री अलग–थलग पड़ गए हैं।'' द्रमुक के मुखपत्र 'मुरासोली' ने 31 जुलाई, 2026 को एक संपादकीय में विजय की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनका कर्नाटक के साथ बातचीत करने का मकसद सिर्फ़ यह दावा करना था कि उन्होंने कावेरी मुद्दे पर कुछ किया है।

पीएमके ने कावेरी जल विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय जाने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत किया

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष अनबुमणि रामदास ने शनिवार को कावेरी नदी के पानी में तमिलनाडु के हिस्से का जल हासिल करने के लिए राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय का रुख करने के फैसले का स्वागत किया। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि कर्नाटक द्वारा द्विपक्षीय बातचीत की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज करने के बाद अब कानूनी रास्ता अपनाना ही एकमात्र सही कदम है। पीएमके नेता ने याद दिलाया कि इससे पहले तमिलनाडु सरकार ने घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय कावेरी जल बंटवारे और मेकेदातू बांध मुद्दे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से बातचीत करने बेंगलूरु जाएंगे।

हालांकि, तमिलनाडु में भारी विरोध और कर्नाटक में बढ़ते प्रदर्शनों के बाद, पड़ोसी राज्य के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया था कि अभी द्विपक्षीय बातचीत के अनुकूल माहौल नहीं है। तमिलनाडु के कानून मंत्री आर निर्मल कुमार ने इसके बाद घोषणा की कि राज्य सरकार कावेरी के अपने हिस्से का पानी तुरंत छोड़ने की मांग को लेकर शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। यह याचिका पांच अगस्त के बाद दायर की जाएगी। रामदास ने कहा, यद्यपि तमिलनाडु सरकार ने शुरुआत में गलत रास्ता चुना था, लेकिन संतोष की बात यह है कि अंततः उन्होंने अपनी गलती सुधार ली है।

द्रमुक में बड़ा संगठनात्मक बदलाव, 12 साल बाद बैलेट बॉक्स से होंगे आंतरिक चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक/डीएमके) ने व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसका समापन 12 वर्षों बाद पहली बार मतपेटियों (बैलेट बॉक्स) के जरिए पार्टी के आंतरिक चुनाव कराने के साथ होगा। इसे पार्टी पदाधिकारियों के चयन के लिए अधिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यह फैसला हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद लिया गया है। चुनावी हार के बाद डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा करने और सभी स्तरों पर पार्टी को मजबूत बनाने के उपाय सुझाने के लिए 10 सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति ने अब अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें पार्टी के पुनर्गठन के लिए विस्तृत रोडमैप पेश किया गया है। सिफारिशों के अनुसार, डीएमके के संगठनात्मक ढांचे में जमीनी स्तर की शाखाओं से लेकर विभाजन और संगठनात्मक सीमाओं का नए सिरे से निर्धारण शामिल है, ताकि कार्यकुशलता बढ़ाई जा सके और स्थानीय स्तर पर समन्वय अलावा, चुनावी टास्क फोर्स के पुनर्गठन और चुनाव अभियान की योजना तथा रणनीति की निगरानी के लिए पार्टी मुख्यालय तक व्यापक बदलाव किए जाएंगे। रिपोर्ट में पार्टी के सभी प्रकोष्ठों के पुनर्गठन की सिफारिश की गई है, ताकि उन्हें अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाया जा सके जिनमें युवा विंग और महिला विंग भी शामिल हैं। इसके अलावा, चुनावी टास्क फोर्स के पुनर्गठन और चुनाव अभियान की योजना तथा रणनीति की निगरानी के लिए एक स्थायी चुनाव प्रबंधन निकाय के गठन का भी सुझाव दिया गया है। व्यापक सुधारों के तहत समिति ने एक उच्चस्तरीय नीति एवं रणनीति थिंक टैंक स्थापित करने की भी सिफारिश की है, जो राजनीतिक कार्ययोजनाएं तैयार करेगा और पार्टी की दीर्घकालिक संगठनात्मक एवं चुनावी रणनीति का मार्गदर्शन करेगा।

तमिलनाडु में जनगणना 2027 का पहला चरण शुरू, घर-घर पहुंचेंगे गणनाकर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु शनिवार को 'हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस' (घरों की सूची बनाने और आवास जनगणना) शुरू करने जा रहा है। इसके साथ ही राज्य भर में एक महीने तक चलने वाले घर–घर जाकर गिनती करने के काम के जरिए 'सेंसस 2027' (जनगणना 2027) के पहले चरण की शुरुआत होगी। अधिकारियों के अनुसार, भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना प्रक्रिया में 1.15 लाख से ज्यादा गणना करने वाले (एन्यूमरेटर) शामिल होंगे। 1 से 30 अगस्त तक चलने वाली इस फील्ड प्रक्रिया में तमिलनाडु के हर घर को कवर किया जाएगा। इसके लिए 1,026 प्रशासनिक क्षेत्रों के तहत लगभग 1.2 लाख हाउस लिस्टिंग ब्लॉक बनाए गए हैं।

पूरे राज्य में गणना की प्रक्रिया की देखरेख और काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगभग 19,000 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। गणना करने वाले हर घर में जाएंगे और 33 सवालों वाली एक सूची के जरिए जानकारी इकट्ठा करेंगे। इन सवालों में घर की स्थिति, मालिकाना हक, निर्माण सामग्री, पीने का पानी, साफ–सफाई, बिजली, खाना पकाने का ईंधन, संचार की सुविधाएं और दूसरी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच जैसी बातें शामिल होंगी।

इस चरण में इकट्ठा किया गया डेटा जनसंख्या जनगणना का आधार बनेगा और भविष्य की योजना बनाने और नीति–निर्माण में मदद करेगा। देश की जनगणना के इतिहास में पहली बार, पारंपरिक कागज–आधारित तरीके की जगह एक खास मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके सारा डेटा इकट्ठा किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि टेक्नोलॉजी पर आधारित इस प्रक्रिया से डेटा इकट्ठा करने की सटीकता बेहतर होने, प्रोसेसिंग का समय कम होने, गलतियां कम होने और जानकारी का आसानी से प्रबंधन होने की उम्मीद है। घरों की सूची बनाने और आवास जनगणना का काम सबूत–आधारित नीति–निर्माण, लक्षित कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने और लंबे समय की विकास योजनाओं के लिए सांख्यिकीय आधार का काम करता है।

इकट्ठा की गई जानकारी सरकारों को आवास की स्थितियों का आकलन करने, बुनियादी ढांचे की कमियों की पहचान करने और भरोसेमंद सांख्यिकीय डेटा के आधार पर विकास कार्यक्रम बनाने में मदद करेगी। लॉन्च से पहले तमिलनाडु में नई शुरू की गई 'सेल्फ–एन्यूमरेशन' (खुद जानकारी भरने की) सुविधा को अच्छा रेस्पॉन्स मिला। 17 से 31 जुलाई के बीच 10 लाख से अधिक परिवारों ने जनगणना के सेल्फ–एन्यूमरेशन पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी ऑनलाइन सबमिट की। अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रोसेस पूरा करने वाले लोगों को सलाह दी है कि वे एन्यूमरेटर (जानकारी इकट्ठा करने वाले अधिकारी) के आने पर वेरिफिकेशन के लिए 'सेल्फ–एन्यूमरेशन आइडेंटिफिकेशन नंबर' तैयार रखें।

लक्ज़री फ़ैशन का खजाना लेकर आ रही हाई लाइफ़

चेन्नई। फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ़ प्रदर्शनी का आगाज 4 अगस्त को हयात रीजेंसी में होगा। यह 5 अगस्त को भी जारी रहेगी। इसके आयोजकों ने बताया कि चेन्नई का सबसे पसंदीदा डिज़ाइनर शॉपिंग डेस्टिनेशन आ गया है। इसका कई दिन पहले से ही इंतजार किया जाता है। भारत के मशहूर डिज़ाइनर्स के मॉडर्न कपड़े, शानदार एथनिक वियर, हाथ से बनी ज्वेलरी, स्टाइलिश एक्सेसरीज़ और भी बहुत कुछ के साथ लक्ज़री फ़ैशन की दुनिया आपका इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि यहां लेटेस्ट ट्रेंड्स, बेहतरीन कारीगरी और खास स्टाइल सबकुछ एक ही जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

'राजनीतिक प्रतिशोध' के तहत दर्ज किए जा रहे मामले, टीवीके सरकार पर द्रमुक नेता बालाजी का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता वी. सेंथिल बालाजी ने शनिवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु की तमिल वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार जन समस्याओं और मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के बजाय राजनीतिक प्रतिशोध के तहत राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामले दर्ज करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

पूर्व मंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह और इन मामलों में नामजद अन्य लोग अदालत में कानूनी चुनौतियों का सामना करेंगे तथा सभी आरोपों को झूठा साबित करेंगे।

उन्होंने अपने खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई का ब्योरा देते हुए कहा, मैं जिस कमरे में ठहरा था, वहां और कई अन्य स्थानों पर तलाशियां ली गईं, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने यह बात अदालती आदेश के अनुसार शहर के पुलिस थाने में हाजिरी रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद कही।

बालाजी ने कहा, हमने इस मामले में मद्रास उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी और इसके खारिज होने के बाद, उच्चतम न्यायालय का रुख करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं व कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली है। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के आधार पर, मैं नियमित रूप से पुलिस थाने में उपस्थित होकर हस्ताक्षर कर रहा हूं और अधिकारियों द्वारा पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि जांच सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

मामले में नामजद अन्य लोगों से जुड़े सवालों के जवाब में सेंथिल बालाजी ने ध्यान दिलाया कि गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से एक का नाम शुरुआती प्राथमिकी में शामिल था, जबकि दूसरे का नाम शुरुआत में नहीं था, फिर भी उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई।

जीएसटी अधिकारियों के साथ तनातनी के बाद चेन्नई व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रखे

चेन्नई। चेन्नई के सौकारपेट में जीएसटी अधिकारियों की टीम के साथ तनातनी के बाद व्यापारियों ने शनिवार को अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। दरअसल जीएसटी अधीक्षक निशांत के नेतृत्व में एक टीम गुरुवार शाम लगभग 4 बजे मिंट स्ट्रीट स्थित महिपाल स्टेनलेस पहुंची और जांच करने लगी। इससे व्यापारी आक्रोशित हो गए। देखते ही देखते 300 से ज्यादा लोगों की भीड़ जुट गई और अधिकारियों का घेराव कर लिया। इस दौरान भारी हंगामा हुआ। अधिकारियों से संदेश मिलने के बाद एलिफेंट गेट पुलिस स्टेशन के कर्मी वहां पहुंचे और उन्हें बाहर निकाला। टीम में निरीक्षक अज़ीज़, सुशील और अन्य अधिकारी शामिल थे। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने जांच पर आपत्ति जताते हुए ऑडिट के गैर–कानूनी होने का दावा किया। व्यापारियों का कहना है कि उन्हें जीएसटी चुकाने में आपत्ति नहीं है, लेकिन कोई भी प्रक्रिया नियमानुसार होनी चाहिए। अचानक जीएसटी अधिकारियों के आने से भय फैलता है, कई आशंकाएं जन्म लेती हैं और व्यापार के संचालन पर असर पड़ता है।

राहुल गांधी ने आत्महत्या करने वाले 'नीट' अभ्यर्थियों के परिवारों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी के दौरान आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को एक ऐसी व्यवस्था में ईमानदारी से काम करने के लिए कहा जाता है, जो खुद उनके प्रति ईमानदार नहीं है।

गांधी ने मामल्लापुरम में 'नीट' के कारण आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिजनों से कहा, ''माता–पिता को अपने बच्चे के लिए शोक मनाते देखने से ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं है।'' उन्होंने कहा, अपनी जान गंवाने वाले हर युवा के पीछे एक ऐसा परिवार है, जो ऐसा दर्द झेल रहा है, जो कभी उनका साथ नहीं छोड़ेगा और साथ ही एक टूटी हुई शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल भी खड़े करता है। प्रश्नपत्र लीक होना। परीक्षाएं रद्द होना। सालों की तैयारी रातों–रात बर्बाद हो जाना। हमारे विद्यार्थियों को एक ऐसी व्यवस्था में ईमानदारी से काम करने के लिए कहा जाता है, जो खुद उनके प्रति ईमानदार नहीं है। गांधी ने पोस्ट में कहा, ''जिन माता–पिता ने अपने बच्चों को खो दिया है, उनके आंसू और उनका विलाप–इससे बड़ा कोई दुख नहीं हो सकता। यह दुख उनके साथ जीवनभर रहेगा–और इस टूटी हुई और भ्रष्ट शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल भी बने रहेंगे।'' प्रश्नपत्र लीक और परीक्षाएं रद्द होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में छात्रों को माफ करने की बात करने का दुस्साहस है।'' गांधी ने कहा, ''क्या उन्होंने (मोदी) कभी किसी ऐसे दुखी परिवार से मुलाकात की है, जिसने अपने बच्चे को खो दिया है? या उन लोगों से मिले हैं, जिनकी पूरी जमा–पूंजी, जीवन का समय और सपने प्रश्न लीक के कारण छीन लिए गए हैं? जवाब है–नहीं! भारत के विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री द्वारा माफ किए जाने की जरूरत नहीं है। मोदी जी को उनसे माफी मांगनी चाहिए।''

उत्तर पश्चिम रेलवे
ऑनलाइन खुली ई–निविदा सूचना
(सर्वे एवं निर्माण)
भारत संघ के राष्ट्रपति एंव उनकी ओर से उप मुख्य इंजिनियर (निर्माण)–पंचम, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ऑनलाइन ई–निविदा (दो पैकेट प्रणाली) ई टेंडरिंग प्रणाली पर निर्धारित इलेक्ट्रोनिक प्रपत्र पर आमंत्रित करते है : **1. ई टेंडर संख्या :** एनडबल्यूआर/ एससी/ एस डब्ल्यू एम– जे. पी/पि.वे/ 514110110 –आर **2. कार्य का नाम एंव स्थान :** जयपुर–सवाई माधोपुर दोहरीकरण परियोजना के सम्बन्ध में जयपुर और इसारदा स्टेशनों के बीच (किमी 131.27 से किमी 40.70 तक) रेलवे ट्रैक के साथ 65mm मशीन– क्रश्ड पत्थर की गिट्टी (बैलास्ट) की सप्लाई और स्टैकिंग का बचा हुआ काम। **3. कार्य की अनुमानित लागत :** 41,15,48,039.98 रूपये **4. बयाना राशि :** 82,31,000.00 रूपये **5. निविदा जमा करने की अंतिम तारीख एंव समय:** 21/08/2026 को 14 00 बजे तक **6. वैबसाइट का विवरण जहाँ निविदा की पूर्ण जानकारी देखी जा सकती है :** भारतीय रेलवे की ई टेंडरिंग वेबसाइट www.ireps.gov.in **7. कार्यालय इ मेल पता :** dyceciijp@gmail.com 1115-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना
सं. 42/एलपी/एनएस/42265784 दिनांक 29.07.2026
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उपरे, अजमेर, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से ई–निविदा सं 42265784 दिनांक 28.07.2026 को, जिसकी बंद होने की तारीख 31.08.2026 को 14.25 बजे तक रहेगी, आमंत्रित कर रहे है, निविदाकार निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक ही अपनी मूल / संशोधित निविदा प्रस्तुत कर पाएंगे, मैन्युअल (ई– निविदा के अलावा) प्रस्ताव इस निविदा के विरुद्ध मान्य नहीं होंगे, इस तरह के मैन्युअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेंगा। **1. आपूर्ति का विवरण :** (A) Replacement of Upper Trim Panels in Vande Bharat DTC Coaches as per CAI no. B-2025/16, as per Annexure-A. (B) Replacement of Upper Trim Panels in Vande Bharat DTC Coaches as per CAI no. B- 2025/16, as per Annexure - B. **2. मात्रा :** 12 Set. **3. निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक एवं समय :** ई निविदा को 31.08.2026 को 14.25 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है। **4. वेबसाइट :** Ireps.gov.in 1104-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–खुली निविदा सूचना
सं. EL-CHG-JP-01-2026-27 दिनांक: 29.07.2026
मंडल रेल प्रबंधक **(कैरिज व वैगन)** उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति महोदय की ओर से नीचे दिये गये कार्य के लिए दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कोई भी मैन्युयल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युयल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **1. ई–निविदा संख्या :** EL-CHG-JP-01-2026-27 **2. कार्य का नाम व स्थान :** JP div- Maintenance of NON -AC coaches for the period of two years over JP division. **3. अनुमानित लागत :** ₹ 27592602.56/– (दो करोड़ पचहत्तर लाख बानवे हज़ार छह सौ दो रुपये छपन पैसे मात्र) **4. बयाना राशी :** ₹ 288000.00/– (दो लाख अठासी हज़ार रुपये मात्र) **5. ई–निविदा की अंतिम दिनांक और समय :** 19.08.2026 समय 15:00 बजे **6. ई–निविदा खोलने की दिनांक और समय :** 19.08.2026 समय 15:30 बजे उक्त ई–निविदा के सम्बध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे–जयपुर के निविदा नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं। 1108-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा आमन्त्रण सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई–निविदा सूचना स. 2026–27 :** 07 **कार्य का नाम व स्थान :** Provision of 2 nos. running line, 2nd pit line, cover shed and catwalk on both pit lines, additional new platform no. 4&5, extension of existing FOB & Second entry station building at Jaisalmer station. **अनुमानित लागत रूपये :** 86,72,17,027.25 **बयाने की राशि रूपये :** 1,73,44,400.00 **ई–निविदा सूचना स. 2026–27 :** 09 **कार्य का नाम व स्थान :** Proposed New Block station along with development of goods shed at Manaklav station. **अनुमानित लागत रूपये :** 23,06,83,083.59 **बयाने की राशि रूपये :** 46,13,700.00 निविदा सूचना संख्या एवं निविदा प्रस्तुत/खुलने की तिथी GSU-7 of 2026-27 & GSU-9 of 2026-27 Date 25.08.2026 को 15.00 बजे तक है। **वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है** www.ireps.gov.in 1126-DI/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம்
(தொழிலாளர் மற்றும் வேலை வாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt of India)
क.रा.बी.नि
E.S.I.C

மண்டல அலுவலகம் / क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை-600 034.
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै–600 034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai–600 034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in / www.rotamilnadu.esic.gov.in

क.रा.बी. योजना औषधालयों के लिए किराए पर आवास लेने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रित करने की सूचना

क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै, क.रा.बी.योजना औषधालयों हेतु किराये पर आवास लिए जाने के लिए तत्संबंधी परिसर के इच्छुक और पात्र मालिकों से जेम पोर्टल के माध्यम से ई–निविदा आमंत्रित करते हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है: –

1.	क.रा.बी.योजना औषधालय – विरुधाचलम, जिला–कडलूर	1600 Sq.Ft
2.	क.रा.बी.योजना औषधालय – विक्रवंडी, जिला–विल्लुपुरम	1600 Sq.Ft
3.	क.रा.बी.योजना औषधालय – कल्लाकुरिची, जिला–कल्लाकुरिची	1600 Sq.Ft
4.	क.रा.बी.योजना औषधालय – मदुरंतगम, जिला–चेंगलपट्टू	1600 Sq.Ft
5.	क.रा.बी.योजना औषधालय – पूनमल्ली, जिला–तिरुवल्लूर	2150 Sq.Ft
	जेम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बोली जमा करने की अंतिम तिथि	22.08.2026 by 03.00 p.m.
	जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि	22.08.2026 by 03.00 p.m.

अन्य सभी नियम और शर्तें और निविदा दस्तावेज www.esic.gov.in/tenders और www.gem.gov.in में उपलब्ध हैं।

हस्ता/–
क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), चेन्नै

‘अतिथि देवो भव’ की परंपरा को दुनिया तक पहुंचा रहा खानपान सेवा उद्योग : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को कहा कि खानपान सेवा उद्योग भारत की ‘अतिथि देवो भव’ की प्राचीन परंपरा को दुनिया तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीतापुरा स्थित जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में आयोजित ‘फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया कैटरर्स’ के छठे राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए देवनानी ने कहा कि भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा, आत्मीयता और सभ्यता का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि खानपान सेवा के व्यवसाय से जुड़े लोगों पर भारत की सदियों पुरानी आतिथ्य परंपरा को जीवंत बनाए रखने की जिम्मेदारी है। राजस्थान की विरासत का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति और अतिथि सत्कार की परंपरा के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है।

उन्होंने कहा कि दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी, केर-सांगरी और घेवर जैसे पारंपरिक व्यंजन राजस्थान की पहचान और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, कैटरिंग उद्योग इन परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रहा है।

देवनानी ने कहा कि सामाजिक समारोहों, पारिवारिक आयोजनों और विभिन्न सम्मेलनों में लोगों को जोड़ने में कैटरिंग सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने शेफ, कैटरिंग कर्मियों और उद्यमियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे विशेष अवसरों को यादगार बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय खान-पान और आतिथ्य के प्रति दुनिया भर में बढ़ती रुचि को देखते हुए अब खानपान सेवा उद्योग को स्वाद के साथ-साथ गुणवत्ता, स्वच्छता, आधुनिक तकनीक और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

देवनानी ने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय अधिवेशन विचारों और तकनीक के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि फेडरेशन भविष्य में भी खानपान सेवा उद्योग को अधिक संगठित, आधुनिक और सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

उन्होंने देशभर से आए प्रतिनिधियों को राजस्थान विधानसभा और उसके संग्रहालय का भ्रमण करने का भी आमंत्रण दिया।

उन्होंने बताया कि विधानसभा परिसर में कारगिल शौर्य वाटिका, हर्बल गार्डन और नक्षत्र वाटिका जैसी विशेष सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। इस अवसर पर ‘फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया कैटरर्स’ के अध्यक्ष नरेंद्र सोमानी और उपाध्यक्ष सुनील सिखिया ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में व्यापारिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता सहित होटल एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मानसून के असर से राजस्थान में आज और कल होगी बारिश

जयपुर। मानसून के प्रभाव से राजस्थान में एक और दो अगस्त हो भारी वर्षा होगी। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून के निम्न दबाव का क्षेत्र फिलहाल राजस्थान के दक्षिणी हिस्सों पर हावी है। विभाग के मुताबिक इसके प्रभाव से एक और दो अगस्त को उदयपुर और जोधपुर संभागों के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी तथा कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। विभाग ने कहा कि जयपुर, अजमेर और बीकानेर संभागों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

विभाग का कहना है कि तीन अगस्त से मानसून के उत्तर की ओर खिसकने के कारण राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में वर्षा गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। हालांकि, तीन से पांच अगस्त तक बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र तथा जयपुर और भरतपुर संभागों के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

सरकार को अपनी सोच बदलनी चाहिए : पायलट

जयपुर । कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र, छात्रसंघ चुनाव और राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पर पत्रकारों से बात की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सचिन पायलट ने कहा, छात्रों की ओर से मांग की जा रही है कि छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए। सरकार को भी अपनी सोच बदलनी चाहिए और नौजवानों को मौका मिलना चाहिए। मैं चुनाव कराए जाने का हमेशा पक्षधर रहा हूं। हालांकि सरकार न तो पंचायत, न नगर पालिका और न ही छात्र संघ, कोई चुनाव नहीं कराना चाहती है। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरकार को पंचायत और नगर निकाय के चुनाव कराने पड़ रहे हैं। सचिन पायलट ने कहा कि आधे से ज्यादा का कार्यकाल पूरा हो गया है। सरकार को कड़वे सवालों का जवाब देना पड़ेगा। विधानसभा में विपक्ष की ओर से सरकार को घेरने का काम किया जाएगा। बीते कुछ महीनों जिस तरह से प्रदेश के हालात रहे, उससे यही लग रहा है कि सरकार पूरी तरह से फेल है। इतनी जल्द सरकार का इकबाल खत्म हो गया है, ऐसा पहली बार है। जिस उम्मीद से सरकार बनी थी, हालात ऐसे हैं कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद पंचायत और नगर निकाय के चुनाव कराने पड़ रहे हैं।

सचिन पायलट ने कहा कि व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास पैदा नहीं हो पा रहा है। मुझे खेद है कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद संसद में भाजपा के सांसदों की ओर से उनका सत्कार और नारेबाजी की गई, जैसे कोई बड़ा किला फतह कर लियो हो। पूरे देश का दबाव बना और पूरा विपक्ष उनके पीछे पड़ा तब जाकर उन्होंने इस्तीफा दिया। इस्तीफे के बाद संसद में उनका महिमामंडन किया गया। इससे पता चलता है कि सरकार जनभावनाओं से दूर हो चुकी है।

कानून के शासन का उद्देश्य हर नागरिक को सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को न्याय व्यवस्था में मध्यस्थता को एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि कानून के शासन (रूल ऑफ लॉ) का उद्देश्य हर विवाद का न्यायिक फैसला कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को उसकी गरिमा का सम्मान करते हुए समयबद्ध और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है।

‘कॉमनवेल्थ पीस मीडिएशन एंड रूल्स ऑफ लॉ सम्मेलन’ को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि न्याय प्रणाली का लक्ष्य ऐसे समाधान सुनिश्चित करना होना चाहिए जो प्रभावी, मानवीय और सभी के लिए सुलभ हों।उन्होंने कहा, कानून का शासन यह नहीं कहता कि हर शिकायत का अदालत में फैसला हो, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि हर नागरिक को गरिमा के साथ समय पर सुलभ न्याय पाने का अवसर मिले। मध्यस्थता की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह प्रक्रिया विवाद में शामिल पक्षों को अपने समाधान स्वयं तय करने की स्वतंत्रता देती है।

उन्होंने कहा, केवल मध्यस्थता ही ऐसी व्यवस्था है जिसमें पक्षकार स्वयं अपने विवाद का समाधान तैयार करते हैं। इससे विवाद के वास्तविक कारणों का समाधान अपेक्षाकृत कम समय और कम लागत में संभव हो पाता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकार कठोर कानूनी दलीलों से आगे बढ़कर अधिक सार्थक और व्यावहारिक समाधान तक पहुंच सकते हैं, विशेषकर उन मामलों में जहां आपसी संबंधों को बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है।

उन्होंने मध्यस्थता के व्यापक दार्शनिक और व्यावहारिक महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि यह आधुनिक जरूरतों के साथ-साथ विवाद समाधान की हमारी प्राचीन परंपराओं के अनुरूप है। प्रधान न्यायाधीश ने विश्वास जताया कि बढ़ते मुकदमों और जटिल होते विवादों के बीच न्यायिक व्यवस्था के विकास के साथ मध्यस्थता की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होती जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था हमारी प्राचीन विरासत जितनी पुरानी और सोमवार सुबह अदालतों में लगने वाले मामलों की सूची जितनी ही आज की आवश्यकता है। अपने संबोधन के अंत में प्रधान न्यायाधीश ने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाएं उच्च शिक्षण संस्थान : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए, ताकि एक मजबूत और सक्षम राष्ट्र का निर्माण हो सके। बागड़े ने बीकानेर स्थित स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 40वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. नाग स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता का भाव रखने वाले युवाओं का योगदान देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले चार दशकों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और यहां से 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने कृषि शिक्षा प्राप्त करके डिग्री हासिल की है। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले पूर्व विद्यार्थियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड भी तैयार किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर नीति-निर्माण से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बौद्धिक विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए शिक्षाविद सुधा मूर्ति और जैव रसायन वैज्ञानिक कमला सोहनी के योगदान का उल्लेख किया तथा बालिकाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने की वकालत की।

बागड़े ने व्यावहारिक शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए ‘नकल मुक्त परीक्षा प्रणाली’ की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के उन प्रावधानों का भी उल्लेख किया, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का विकास करना है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि ‘इंडिया एआई मिशन’ के तहत विश्वविद्यालय में इंडस्ट्री 4.0 के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में 20 करोड़ रुपये की लागत से ‘सेंटर ऑफ एक्सीलेंस’ (उत्कृष्टता केंद्र) स्थापित करने की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के किसानों और कृषि शोधकर्ताओं को लाभ मिलेगा।

समारोह के दौरान राज्यपाल ने मेघवाल को विश्वविद्यालय का सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान डॉक्टर ऑफ साइंस (डी.एससी.) प्रदान किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन भी किया। इससे पहले राज्यपाल ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अधिकृत विश्वविद्यालय के ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने परिसर में पौधरोपण भी किया और विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

गर्भवती महिलाओं के लिए रेफरल परिवहन तंत्र को और सुदृढ़ किया जाए : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गर्भवती महिलाओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए रेफरल परिवहन तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुरक्षित प्रसव एवं जननी एक्सप्रेस सेवाओं के प्रभावी संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों सहित परिपत्र जारी करने को कहा। साथ ही निर्देश दिए कि उच्च जोखिम (हाई रिस्क) वाली गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए संभावित प्रसव तिथि से एक-दो दिन पूर्व ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थान में रेफर किया जाए।

मुख्य सचिव शनिवार को स्वास्थ्य भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों, अस्पताल अधीक्षकों, संयुक्त निदेशकों, पीएमओ, आरसीएचओ एवं सीएमएचओ के साथ सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं में गंभीर एनीमिया (सीवियर एनीमिया) के मामलों में कमी आने तथा उन्हें माइल्ड एनीमिया श्रेणी में लाने के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में मुख्य सचिव ने मातृ मृत्यु के विभिन्न कारणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने भीलवाड़ा में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु के मामले की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा शाहपुरा सीएचसी के स्त्री रोग विशेषज्ञ और एएनएम से सीधे संवाद कर घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों से चर्चा कर उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल की समीक्षा भी की।

वी. श्रीनिवास ने ‘प्रसव सखी’ पहल के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की तथा इसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं को दी जा रही सहायता एवं सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने अलवर, भरतपुर एवं दौसा के सीएमएचओ तथा आरसीएचओ से हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहचान, उपचार तथा फील्ड स्तर पर एएनएम द्वारा एनीमिया एवं हाईपरटेंशन के लक्षणों की निगरानी की जानकारी ली। बैठक में स्त्री रोग विशेषज्ञों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित चिकित्सकों को उपचार प्रबंधन एवं प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में एनीमिया एवं हाईपरटेंशन के उपचार और प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की जाए, ताकि पूरे प्रदेश में एक समान उपचार प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना सुनिश्चित हो सके। उन्होंने ब्यावर, चित्तौड़गढ़, बारां, झालावाड़ एवं सलूम्बर जिलों में एनीमिया और हाईपरटेंशन की स्क्रीनिंग एवं उपचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में सर्जिकल प्रोटोकॉल, औषधि उपलब्धता तथा 104 एवं 108 एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

वी. श्रीनिवास ने स्पष्ट कहा कि रक्त की उपलब्धता के अभाव में किसी भी गर्भवती महिला की मृत्यु नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आवश्यकता वाले क्षेत्रों में विशेष रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही बीकानेर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर एवं कोटा मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों से हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रसव प्रबंधन, आईसीयू सुविधाओं तथा उपचार प्रोटोकॉल की जानकारी ली। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बैठक में ‘प्रसव सखी’ पहल, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की एएनएम स्तर पर सूचीबद्धता, गंभीर एनीमिया को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा विभिन्न उपचार प्रोटोकॉल के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

पप्पू यादव का विरोध प्रदर्शन सनातन धर्म का अपमान : घनश्याम तिवारी

जयपुर/दक्षिण भारत । भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी ने संसद परिसर के बाहर सांसद पप्पू यादव के प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन को सनातन धर्म का अपमान बताया। उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कल हमें संसद परिसर के पास जो कुछ भी देखने को मिला, उसने संसदीय परंपराओं को तार-तार करके रख दिया। पप्पू यादव ने जिस तरह से सनातन धर्म का अपमान किया, वो निंदनीय है। एक साधु का भेष धारण करके पप्पू यादव ने सनातन धर्म का तिरस्कार किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। दुख की बात यह रही है कि राहुल गांधी भी इसमें हिस्सा लेते हुए नजर आए। भाजपा सांसद के मुताबिक, यह पूरा कार्यक्रम साधु संतों को अपमान करने वाला रहा है। संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला यह पूरा कार्यक्रम रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इस पूरी घटना की

लोकसभा के अध्यक्ष ने भी निंदा की है और हम भी निंदा करते हैं।

उन्होंने विपक्षी दलों के रवैये पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि विपक्षी दल संसद में होने वाली चर्चाओं में भाग नहीं लेते हैं। जब कभी संसद में किसी अहम विषय पर चर्चा होती है तो विपक्षी दल उसमें हिस्सा लेने की जगह बाहर किसी न किसी प्रकार का ड्रामा करते हुए नजर आते हैं। ये लोग इस तरह का व्यवहार करते हैं, जैसे कोई फैशन शो चल रहा है। आखिर इस देश में क्या हो रहा है। विपक्षी दलों का रवैया लगातार आलोचना के घेरे में है। अब देखना होगा कि ये पूरा सिलसिला कब तक जारी रहेगा।

भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी ने कहा कि जब कभी-भी सत्तापक्ष संसद में चर्चा के लिए अपने कदम आगे बढ़ाता है, तो विपक्षी दलों को कुछ समझ नहीं आता है कि क्या किया जाए। उनके हाथ खाली रह जाते हैं। उनके पास कोई मुद्दा नहीं बचता है। कुल मिलाकर जब बात सार्थक चर्चा की आती है, तो उनके पास कुछ भी बोलने के लिए नहीं होता है। इससे उनका पूरा रवैया राजनीतिक दृष्टि से संदेह के घेरे में ही नजर आता है, जिससे कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि संसद के मानसून सत्र में इस बार विपक्षी दलों ने जिस तरह का व्यवहार दिखाया है, वो निंदनीय है, उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। विपक्षी दलों का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है।

रणथम्भौर अभयारण्य में दो शावकों संग नजर आई बाघिन, पर्यटक उत्साहित

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले के रणथम्भौर बाघ अभयारण्य में एक बाघिन (टी-127) अपने दो शावकों के साथ नजर आई है। वन अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि बाघिन संग उसके शावकों को देखकर वन्यजीव प्रेमी और पर्यटक काफी उत्साहित हैं। अधिकारियों के अनुसार, बाघिन को अभयारण्य के सफारी क्षेत्र जोन-7 में देखा गया। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ समय से उसकी गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही थी। वन विभाग के मुताबिक, बाघिन की शारीरिक स्थिति और व्यवहार में बदलाव दिखाई देने के बाद उसके शावकों के होने की संभावना को देखते हुए विशेष निगरानी शुरू की गई थी। विभाग की टीमें कैमरा ट्रैप, क्षेत्र में गश्त करके और अन्य वैज्ञानिक तरीकों से उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थीं। बाघिन दो शावकों के साथ दिखाई दी है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि शावकों की वास्तविक संख्या की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, क्योंकि अब तक सभी शावक प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखे गए हैं।

राजस्थान में छात्रसंघ चुनावों को लेकर प्रदर्शन तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव बहाल कराने, दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं पर कथित लाठीचार्ज के मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से माफी की मांग तथा पानी की टंकी पर चढ़े छात्रों के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन करने वाले तीनों छात्र शनिवार को उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा से मुलाकात करेंगे।

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) से जुड़े प्रदर्शनकारी बृहस्पतिवार को गांधी नगर रेलवे स्टेशन इलाके में टोंक फाटक के पास एक पानी की टंकी पर चढ़ गए थे। सरकारी प्रतिनिधिमंडल से आश्वासन मिलने के बाद, वे लगभग 40 घंटे बाद शुक्रवार देर रात नीचे उतरे। छात्र नेता विजयपाल कुड़ी और वियोना जाट ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा कि सरकार को विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव समेत उनकी मांगों पर निर्णय लेने के लिए सात दिन का अल्टीमेटम दिया गया है।

उन्होंने कहा, यदि तय अवधि में सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है तो इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए और छात्रों से माफी सार्वजनिक मांगनी चाहिए। नेताओं ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने आश्वासन दिया है कि उनकी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ओर उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा से मुलाकात कराने तथा छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग पर चर्चा कराने का आश्वासन दिया है।

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) से जुड़े विजयपाल कुड़ी, वियोना जाट और कोशेन खान विभिन्न मांगों को लेकर बृहस्पतिवार सुबह गांधी नगर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में टोंक फाटक पुलिया के पास स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए थे। सरकार के प्रतिनिधिमंडल से आश्वासन मिलने के बाद तीनों करीब 40 घंटे बाद शुक्रवार रात लगभग 11 बजे टंकी से नीचे उतर आए और अपना आंदोलन समाप्त कर दिया।

इससे पहले शुक्रवार को छात्र नेताओं के समर्थन में बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता और छात्र टोंक रोड पर एकत्र हुए। उन्होंने नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ छात्र सड़क पर लेट गए।

केजरीवाल ने ई20 और शुद्ध पेट्रोल के बीच विकल्प की मांग की, प्रधानमंत्री आवास मार्च का ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सरकार से पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को 'ई20' और शुद्ध पेट्रोल के बीच चयन करने का विकल्प दिए जाने की शनिवार को मांग की। साथ ही उन्होंने अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपने के लिए चार अगस्त को प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकालने की घोषणा की।

यहां 'कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया' में ई20 ईंधन पर आयोजित एक 'टाउन हॉल' बैठक को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि वह मंगलवार दोपहर को हस्ताक्षर अभियान के तहत ज्ञापन एकत्र करेंगे और लगभग 100 लोगों के साथ लोक कल्याण मार्ग स्थित नरेन्द्र मोदी के आवास की ओर मार्च का नेतृत्व करेंगे। केजरीवाल ने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को एथेनॉल मिश्रित 'ई20' और नियमित पेट्रोल में से चुनने की अनुमति मिले। इसके अलावा उन्होंने ई20 पेट्रोल की कीमतों को कम करने और पेट्रोल की समग्र दरों में कटौती किये जाने की भी मांग की। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सरकार से उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का भी आग्रह किया जिसका हवाला देकर दावा किया जा रहा है कि ई20 से वाहनों को नुकसान नहीं पहुंचता है। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार का कहना है कि अध्ययन किए जा चुके हैं और ई20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है। मैं चाहता हूं कि वे उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करें।'' इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए लोगों ने हिस्सा लिया और ई20 के इस्तेमाल तथा वाहनों में आ रही कथित समस्याओं को लेकर अपने अनुभव और चिंताएं साझा कीं।

'कॉलेजियम का सिफारिश की वजह नहीं बताना न्यायाधीशों के साथ अन्याय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यायिक नियुक्तियां करने के पीछे के कारण नहीं बताए जाने को लेकर कॉलेजियम की आलोचना करते हुए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने शनिवार को कहा कि ऐसा नहीं करने से उन न्यायाधीशों के लिए जगह बनती है, जो किसी समूह के लोगों को चींटी बताने जैसी असंवैधानिक टिप्पणियां करते हैं।

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, मैंने देखा है कि कॉलेजियम के पिछले तीन प्रस्तावों में कोई कारण नहीं बताया गया है। क्या यह पारदर्शिता के सिद्धांत से पीछे हटने जैसा कदम है? कानूनी विशेषज्ञ संस्था 'विधि' की पहल 'जेएएलडीआई' की एक रिपोर्ट को जारी करने के मौके पर आयोजित परिचर्चा में न्यायमूर्ति भुइयां ने इस बात पर जोर दिया कि पदोन्नति या नियुक्ति के कारणों का खुलासा न करने से अयोग्य उम्मीदवार न्यायपालिका में आ सकते हैं।

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, कारण न बताकर, संस्थान असल में उन कई न्यायधीशों का नुकसान करता है जो सचमुच बेहतरीन हैं और जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा, इसके उलट, कारण न बताने से हम न्यायपालिका में ऐसे लोगों के आने की गुंजाइश भी बनाते हैं जो बाद में लोगों के समूहों को 'चींटियां' कह सकते हैं और ऐसी अन्य टिप्पणियां कर सकते हैं जो पूरी तरह से असंवैधानिक और संविधान के मूल्यों के खिलाफ हों। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए कुछ चर्चा होनी चाहिए और कुछ कारण बताए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि हाल ही में एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने ऐसी टिप्पणी की थी। भुइयां ने हालांकि किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया, लेकिन इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश ने 2024 में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में अपनी टिप्पणी से हंगामा खड़ा कर दिया था, जिसके बाद विपक्षी नेताओं ने उनके घृणा भाषण के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

कॉलेजियम व्यवस्था की आलोचना का जिक्र करते हुए, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने पहले कहा था कि जब कॉलेजियम उच्चतम न्यायालय में नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश करता है, तो कई बातों को ध्यान में रखा जाता है, जैसे कि उनका कामकाज, न्यायाधीश के तौर पर काम करने की अवधि, पहले संभाले गए पद और यहां तक ङ्क्वङ्कि उनका पेशेवर जीवन भी।

कांग्रेस ने सांसद कंगना रनौत के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए दी तहरीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए शनिवार को लखनऊ के हुसैनगंज थाने में तहरीर दी।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक अनामिका यादव की अगुवाई में पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने रनौत द्वारा 'जेन जेड' छात्र-छात्राओं, युवाओं के विरुद्ध अपमानजनक, जनभावनाओं को आहत करने वाले बयान दने का आरोप लगाया और रनौत पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने की मांग की। 'जेन जेड' वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ।

हुसैनगंज थाने में दी गयी तहरीर के मुताबिक नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट के कथित पेपर लीक के विरोध में हुए प्रदर्शन के संबंध में भाजपा सांसद कंगना रनौत ने पिछली 30 जुलाई को एक सार्वजनिक बयान में प्रदर्शनकारी युवाओं, छात्र-छात्राओं, महिलाओं एवं नई पीढ़ी के संबंध में अपमानजनक टिप्पणियां की। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि रनौत ने देश की बेटियों को 'गटर जेनरेशन' कहा। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि रनौत ने उन 'जेन जेड' बेटियों के माता-पिता को अपमानित करते हुए सवाल किया कि कौन इन्हें जन्म दे रहा और इनकी परवरिश कर रहा है। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक तहरीर में यह भी कहा गया है कि यह केवल प्रदर्शनकारियों का ही नहीं, बल्कि समस्त नई पीढ़ी, महिलाओं, युवाओं तथा उनके माता-पिता एवं परिवारों का सामूहिक अपमान है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने परिस्थितियों के अनुसार जानबूझकर विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्य फैलाने, धार्मिक/सामाजिक भावनाओं को जानबूझकर आहत करने, शांति भंग के लिए उकसाने तथा अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकृत कर विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने 'अरुणोदय 3.0' की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार का प्रमुख कार्यक्रम 'अरुणोदय' एक भरोसेमंद सामाजिक सुरक्षा ढांचा के तौर पर उभरा है, जो परिवारों, खासकर महिलाओं को सशक्त बनाता है। गुवाहाटी में 'अरुणोदय 3.0' की शुरुआत करते हुए शर्मा ने कहा कि इस योजना ने लाभार्थी परिवारों के लिए वित्तीय समावेशन भी सुनिश्चित किया है। इस योजना के तहत 37 लाख से ज्यादा महिलाओं को उनके बैंक खाते में हर महीने 1,250 रुपये मिलेंगे। इस योजना को भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने 2020 में गरीबी कम करने वाले अपने मुख्य कार्यक्रमों में से एक के तौर पर शुरू किया था।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में 'अरुणोदय' सिर्फ एक कल्याण कार्यक्रम से आगे बढ़कर एक भरोसेमंद सामाजिक सुरक्षा ढांचा बन गया है, जो परिवारों को सशक्त बनाने के साथ-साथ वित्तीय समावेशन भी सुनिश्चित करता है।'' उन्होंने कहा, ''आज हमने 37 लाख से ज्यादा महिलाओं के लिए अरुणोदय 3.0' के तहत मासिक आर्थिक सहायता फिर से शुरू की है। यह हमारे पहले बजट की घोषणा का कार्यान्वयन है और मई में जनादेश मिलने के बाद शुरू की गई पहली योजना है।''

छात्रों को क्षमा की जरूरत नहीं, प्रधानमंत्री उनसे माफी मांगे : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के छात्रों को 'प्रधानमंत्री की क्षमा' की जरूरत नहीं है, बल्कि उनको छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन माता-पिता के प्रति संवेदना व्यक्त की जिन्होंने पेपर लीक के कारण अपने बच्चों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को खोने वाले माता-पिता का दुख सबसे बड़ा होता है और यह पीड़ा उनके साथ हमेशा बनी रहती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसी घटनाएं देश की शिक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करती हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक, रद्द होने वाली परीक्षाओं और वर्षों की तैयारी के एक पल में बर्बाद हो जाने जैसी घटनाओं के बीच छात्रों से एक ऐसे तंत्र में ईमानदारी से मेहनत करने की अपेक्षा की जाती है, जो स्वयं बेईमान है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके बावजूद वह 'छात्रों को माफ' करने की बात करते हैं। राहुल गांधी ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री उन शोकाकुल परिवारों से मिले हैं जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है या उन लोगों से जिनकी जमा पूंजी, समय, जीवन और सपने पेपर लीक की घटनाओं से प्रभावित हुए हैं? राहुल गांधी ने कहा, ''भारत के छात्रों को प्रधानमंत्री की क्षमा की जरूरत नहीं है। मोदी जी को उनसे माफी मांगनी चाहिए।'' प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि उन्हें इस बात का दुख है कि जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान न सिर्फ उन्हें, बल्कि उनकी स्वर्गीय मां के लिए भी भद्दी गालियों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि इन ''गुमराह बच्चों'' को माफ किए जाने की जरूरत है।

राष्ट्रीयता सत्यापित ना होने पर विदेशी नागरिक को निर्वासित नहीं किया जा सकता : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि जिन विदेशी नागरिक की राष्ट्रीयता सत्यापित नहीं हैं, उन्हें तब तक निर्वासित नहीं किया जा सकता जब तक उसका मूल देश उसकी नागरिकता की पुष्टि करके उसे स्वीकार करने के लिए सहमत न हो जाए।

यह बात गृह मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में कही। यह हलफनामा उस याचिका के जवाब में दायर किया गया है जिसमें असम में विदेशी घोषित किए गए ऐसे लोगों की अनिश्चितकालीन हिरासत को चुनौती दी गई है जिनके निर्वासन के फिलहाल कोई आसार नहीं है।

केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा, ''जिस विदेशी नागरिक की राष्ट्रीयता अज्ञात या असत्यापित है, उसे उसकी राष्ट्रीयता की पुष्टि होने, वैध यात्रा दस्तावेज उपलब्ध होने अथवा संबंधित देश द्वारा उसे स्वीकार किए जाने के बाद ही निर्वासित किया जा सकता है। राष्ट्रीयता के सत्यापन के बिना निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती।''

हलफनामे के अनुसार, किसी विदेशी नागरिक को सजा पूरी होने या उसके विरुद्ध लंबित न्यायिक कार्यवाही समाप्त होने के बाद संबंधित राज्य, केंद्र शासित प्रदेश अथवा विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) द्वारा तभी निर्वासित किया जा सकता है जब उसके पास वैध पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज हों और उसके खिलाफ कोई अन्य आपराधिक मामला लंबित न हो। केंद्र ने हलफनामे में कहा, ''किसी विदेशी नागरिक को निर्वासित करने से पहले राष्ट्रीयता सत्यापन की प्रक्रिया के तहत संबंधित देश के दूतावास या उच्चायोग से आवश्यक यात्रा दस्तावेज प्राप्त करना अनिवार्य है।''

यूपीआई लेनदेन जुलाई में 29.9 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

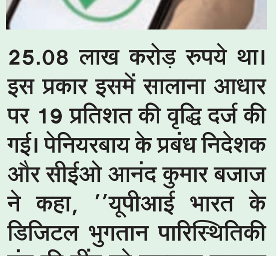

नई दिल्ली/भाषा। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के अनुसार लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाले लेनदेन का मूल्य जुलाई 2026 में फिर से 29.9 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले मई 2026 में भी यूपीआई लेनदेन 29.9 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था।

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई में लेनदेन की संख्या 23.66 अरब रही, जो मई के 23.2 अरब और जून के 22.72 अरब से अधिक है। जुलाई में लेनदेन का मूल्य 29.88 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी महीने में 25.08 लाख करोड़ रुपये था। इस प्रकार इसमें सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पेनियरबाय के प्रबंध निदेशक और सीईओ आनंद कुमार बजाज ने कहा, ''यूपीआई भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र की नींव को लगातार मजबूत कर रहा है। इसने जुलाई 2026 में 29.88 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 23.66 अरब लेनदेन को संसाधित किया, जो लाखों भारतीयों के लिए भुगतान के पसंदीदा माध्यम के रूप में इसकी भूमिका की पुष्टि करता है।''

पश्चिम बंगाल में देश की 16वीं जनगणना के तहत स्व-गणना अभ्यास शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। देश की 16वीं जनगणना के तहत स्व-गणना अभ्यास शनिवार को पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ और पहले ही दिन मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी ने डिजिटल माध्यम से अपना फॉर्म भरा। इस जनसंख्या सर्वेक्षण के पहले चरण के तहत पोर्टल एक अगस्त से 15 अगस्त तक खुला रहेगा और इस दौरान लोग आधिकारिक वेबसाइट पर अपना विवरण अपलोड कर सकते हैं। इसके बाद 16 अगस्त से 14 सितंबर तक मकानों की सूची बनाने का कार्य किया जाएगा।

इस अभ्यास को देश की पहली शत प्रतिशत डिजिटल'' जनगणना बताते हुए शुभेंदु ने पश्चिम बंगाल के लोगों से इस सर्वेक्षण में भाग लेने और अधिकारियों का सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह करता हूं कि वे इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों का सहयोग करें और इस जनगणना में स्व-गणना के माध्यम से भाग लें।'' गोपनीयता संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना ''पूर्णतः गोपनीय'' है और इसे कानूनी संरक्षण प्राप्त है। शुभेंदु ने कहा, ''एकत्र किए गए डेटा का उपयोग केवल सांख्यिकी, नियोजन और विकास के लिए किया जाएगा। इस जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी के किसी भी प्रकार के दुरुपयोग की कोई गुंजाइश नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह करता हूं कि वे संबंधित अधिकारियों का सहयोग करें और इस प्रक्रिया में भाग लें।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार अंतिम जनगणना डेटा दर्ज हो जाने के बाद, लोगों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। शुभेंदु ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और मतदाताओं की एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट) सूची को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर बात करते हुए कहा कि सूची में शामिल कई लोगों ने इसे चुनौती नहीं दी है। उन्होंने कहा, एसआईआर न्यायाधिकरण के समक्ष जाने का अवसर प्राप्त करने वाले 27 लाख लोगों में से केवल सात लाख ने आवेदन किया है। शेष लोगों ने अब तक कोई आवेदन या अपील प्रस्तुत नहीं की है।

नर्स से बलात्कार के मामले में अस्पताल संचालक और उसके बेटे पर मुकदमा

भदोही (उप्र)/भाषा। भदोही जिले में एक आयुर्वेद अस्पताल एवं पंचकर्म केंद्र में एक नर्स से दुष्कर्म के मामले में चिकित्सालय के संचालक, उसके बेटे तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ शनिवार को मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया कि गोपीगंज थाना क्षेत्र स्थित धन्वन्तरि आयुर्वेदिक अस्पताल एवं पंचकर्म केंद्र के संचालक हरि शंकर त्रिपाठी, उसके बेटे अभिषेक त्रिपाठी व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 (शादी के झूठे वादे या धोखे से शारीरिक संबंध बनाना), 238 (अपराध के साक्ष्य मिटाना या अपराध को बचाने के लिए झूठी जानकारी देना), 239 (अपराध की जानकारी जानबूझकर छुपाना) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

'चंदा चोरी' का 'नाटक' करने पर राहुल गांधी, पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद पर मुकदमा दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। दिल्ली में अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी मामले की तरफ ध्यान खींचने के लिये संसद परिसर में 'नाटक' करने पर सांसद पप्पू यादव, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अयोध्या से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ वाराणसी में सनातन धर्म का अपमान करने के आरोप में शनिवार को मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त गौरव बंसवाल ने शनिवार को बताया कि संतों की तहरीर पर सांसद राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव और सांसद अवधेश प्रसाद पर सनातन धर्म का अपमान करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि संतों द्वारा शनिवार को कोतवाली थाने में एक तहरीर दी गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि सांसद राहुल गांधी, पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद ने सनातन धर्म का अपमान किया है।

बंसवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जगत गुरु बालक दास ने बताया कि संसद में जिस तरह से पप्पू यादव ने भगवान राम का तथा सनातन का अपमान किया है वह माफी के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वह कृत्य किया गया, उसे कोई सनातनी भूल नहीं सकता।

मालूम हो कि विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी मामले में प्रतीकात्मक नाटक कर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर पुजारी बने, जबकि राहुल गांधी ने चंदा दिया। उसके बाद पप्पू यादव चंदे का बक्सा लेकर भागने लगे, जिन्हें अन्य सांसदों ने रोक लिया। प्रदर्शन के दौरान 'चंदा चोर, गद्दी छोड़' के नारे भी लगाये गये।

शुभेंदु ने कोलकाता में स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के लिए इस्कॉन की विशाल रसोई का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कोलकाता में इस्कॉन की एक विशाल रसोई का उद्घाटन किया, जहां शहर के 500 सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के 44,000 छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार किया जाएगा। शहर के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित तरताला में इस रसोई का औपचारिक उद्घाटन करने से पहले अधिकारी ने 'एक यज्ञ' में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, शुरुआत में इस्कॉन कोलकाता के 500 स्कूलों के 44,000 छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराएगा।

अगले तीन महीनों के भीतर यह सुविधा ढाई लाख छात्रों को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही प्रति छात्र भोजन की आवंटित राशि बढ़ाकर 10 रुपये कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस्कॉन द्वारा तैयार किए जाने वाले भोजन के अलावा, राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से छात्रों को सप्ताह में दो बार उबले अंडे अलग से उपलब्ध कराएगी। मध्याह्न भोजन पहल के लिए इस्कॉन का धन्यवाद करते हुए अधिकारी ने कहा कि संतुलित पोषण छात्रों के समग्र विकास में मदद करेगा। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अब तक खाना बनाने वाले किसी भी रसोइया को काम से नहीं निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार पहले ही रसोइयों का मासिक मानदेय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर चुकी है। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने रसोई का निरीक्षण किया और खुद भोजन तैयार करने की प्रक्रिया में भाग लिया।

उन्होंने बिजली से चलने वाले उन वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिनके जरिए स्कूलों तक भोजन पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल और स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक बर्मन भी मौजूद थे। इसके अलावा पांच स्कूलों के लगभग 40 छात्रों ने भी उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत की।

शुभेंदु ने बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन को भरोसा दिलाया कि जब भी वह राज्य का दौरा करेंगी, उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नई भाजपा सरकार के तहत हर कोई अपनी अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र है। यहां रवींद्र सदन में नसरीन के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि जब भी वह पश्चिम बंगाल आएं, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना (पश्चिम बंगाल) सरकार का कर्तव्य है।

नसरीन लगभग 19 साल बाद शुक्रवार को कोलकाता लौटीं और कट्टरपंथ-विरोधी साहित्यिक कार्यक्रम में शहर में पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। अधिकारी ने कहा, राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर यह मेरी ज़िम्मेदारी है कि जब भी आप आएं, तो आपको सुरक्षा दी जाए। उन्होंने निर्वासित लेखिका को उनकी इच्छा अनुसार जितनी बार चाहें राज्य का दौरा करने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा, जब भी आप चाहें, जितनी बार चाहें, यहां आ सकती हैं। राज्य में बदले हुए राजनीतिक माहौल का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि नई सरकार अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, नई सरकार के तहत पश्चिम बंगाल में हर किसी को अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी का इस्तेमाल करने का अधिकार है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि धमकी और डराने-धमकाने के दिन अब बीत चुके हैं। उनका यह बयान साफ तौर पर उन हालात की ओर इशारा था, जिनमें नसरीन को 2007 में अपने लेखन को लेकर हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद कोलकाता छोड़ना पड़ा था। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका 2004 से 2007 के बीच कोलकाता में रही थीं।

सुविचार

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। समय के साथ स्वयं को ढालें, नई बातें सीखें, नए अवसर अपनाएं, यही विकास का मार्ग है।

ट्वीट

भारत की टैलेंटेड बॉक्सर जैस्मीन लैम्बोरिया को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 57 किग्रा बॉक्सिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीता और देश का नाम रोशन किया!

-भजनलाल शर्मा

आज सेक्रेटेरिएट में चाइल्ड राइट्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों की एक मीटिंग हुई, जिसमें डिपार्टमेंट की स्कीम, चाइल्ड प्रोटेक्शन सर्विसेज़ और इंस्टीट्यूशनल केयर अरेंजमेंट्स का डिटेल्ड रिव्यू किया गया।

-दिया कुमारी

कहानी

दोहरे मापदंड

ज़िंदगी में कभी हमारा मिलना ऐसे चरित्र से होता है जिसके बारे में हमारी बनाई गई धारणा अचानक उसकी असलियत जानकर , देखकर और समझकर बदल जाती है। लेकिन अपने द्वारा उस व्यक्ति के बारे में बिना किसी अनुभव के पूर्व में बनाई गई धारणा और अपनी समझ पर अफसोस हमें हमेशा रहता है। ऐसा ही कुछ हाल ही में मेरे साथ भी हुआ। हमारे पड़ोस में विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर राजन अपनी पत्नी नेहा के साथ रहते हैं। उनके दोनों बच्चे , लड़का अमर और लड़की उषा , विवाह के बाद दूसरे शहर में रहते हैं। दोनों बच्चों के विवाह को बीस वर्ष से अधिक समय हो चुका है। मेरे पड़ोसी होने के कारण मैं उनके बारे में थोड़ा बहुत जानता हूं । क्योंकि कुछ समय पूर्व ही सेवा निवृत्त होने के बाद वे यूनिवर्सिटी कैम्पस का आवास छोड़कर हमारे पड़ोस में खुद के मकान में रहने आए हैं । वे जब भी मुझसे मिले हैं उन्होने हमेशा उच्च आदर्श और समाज के उत्थान के बारे में ही बातें करी हैं। मैं उनके व्यक्तित्व , सोच और जीवनदर्शन से बहुत प्रभावित था। मेरे मस्तिष्क में उनकी एक आदर्श व्यक्ति की छवि बनी हुई थी।

लेकिन कुछ समय पूर्व उनकी मानसिकता और चरित्र के बारे में पता चलने और उसकी पुष्टि के बाद मेरे दिल और दिमाग में राजन के बारे कई तरह के सवाल अबाध रुप से जन्म लेने लगे। जिनका मेरे पास कोई जवाब नहीं है। हालांकि बहुत से लोगों के लिए यह बात सामान्य बात हो सकती है। बहुत से लोगों को यह लग सकता है कि मेरे मामाजी के पुत्र और राजन के निकटतम मित्र साहिल जिसने मुझे उनके बारे में यह सब बातें बताई वह राजन के प्रति कुंठाग्रस्त हो सकता है। लेकिन कोई कुछ भी कहे मैंने राजन के बारे में बताई गई बातों में बहुत बातों को देखा , अन्य लोगों से भी सुना और सही पाया है। इसलिए मुझ जैसा संवेदनशील , सामाजिक और पारिवारिक व्यक्ति , जिसका इस बात से किसी तरह का कोई लेनादेना नहीं होने के बावजूद , मानसिक रुप से बहुत आहत हुआ है।

राजन के चरित्र के बारे में कई पहलू और कृत्य साहिल ने कुछ समय पहले मुझे बताए थे । जिन पर एक बार तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि समाज में और हमारे आस – पास इस तरह के चरित्र भी मौजूद हैं। लेकिन समय के साथ सभी बातों की पुष्टि होने पर मुझे हैरानी जरुर हुई। जिसने मेरे मस्तिष्क में द्वंद्व की स्थिति पैदा कर दी । राजन के चरित्र और मानसिकता के बारे में साहिल द्वारा बताई गई बातें और उनकी पुष्टि के कारण हो रही मानसिक परेशानी ने मुझे राजन जैसे चरित्र के बारे में लिखने के लिए विवश कर दिया।

हमेशा उच्च जीवन मूल्यों की बातें करना और समाज में अपनी निष्ठा का समय – समय पर प्रदर्शन कर राजन ने अपने समुदाय और बहुत परिवारों में एक आदर्श व्यक्ति की छवि बना रखी है। उनके व्यवहार कुशल होने के कारण उनकी मित्रता और जान पहचान का दायरा बड़ा है। जिसमें कई मित्र उनसे उम्र में बड़े भी हैं । अलग – अलग क्षेत्र के व्यक्तियों से उनकी जान पहचान होने के कारण उनसे अपने काम करवाने में उन्हे महारथ हासिल है। जबकि विश्वविद्यालय में लगभग बत्तीस वर्ष विभाग में विभिन्न पदों पर नौकरी करते हुए उन्होने कभी किसी का कोई काम नहीं किया। और कभी किसी जानकार का विश्वविद्यालय के नियमों के तहत कोई काम कर दिया या किसी को कहकर करवा भी दिया तो उसे वक़्त बेवक़्त गिनाने से नहीं चूकते । कई बार उस व्यक्ति की मनोस्थिति ऐसी हो जाती है कि वह सोचने लगता है कि उसने राजन को काम के लिए कहा ही क्यों ? राजन के इस स्वभाव से बहुत कम लोग परिचित हैं। अपने जानकर या समुदाय के किसी परिवार की कोई घटना जानकर उनमें अपनी राय और दखल देना और बाद में उसका बखान करना उनकी आदत है। इससे कई बार उस परिवार की स्थिति न चाहते हुए भी सोचनीय हो जाती है।

साहिल से ही पता चला कि राजन अपने मित्रों से मिलने पर अक्सर महिलाओं की ही बातें करते हैं। जिन बातों से किसी भी मित्र का कोई सरोकार नहीं होता। ऐसा लगता है कि बढ़ती उम्र के साथ वे किसी मानसिक बीमारी से ग्रसित हो गए हैं। कई बार जब वे यही बातें मित्र विशेष के परिवार के सदस्यों के बारे में करते हैं तो वह असहनीय और बर्दाश्त के बाहर हो जाता है। उनकी उम्र का लिहाज कर मित्र उन्हे उस समय इस तरह की बातें नहीं करने का कहकर शांति से चुप करा देते हैं। लेकिन इस हरकत से राजन की उस मित्र विशेष और उसके परिवार के प्रति भावना साफ पता चलती है। राजन को अपने मित्रों से हमेशा यह उम्मीद रहती है कि वे कभी काम पड़ने पर उनके सभी काम करते रहें। जबकि वे खुद कभी किसी के काम नहीं करते। किसी भी मित्र के बच्चे की व्यावसायिक उपलब्धि को सुनते ही अपने लड़के को श्रेष्ठ बताते हुए उसकी व्यावसायिक उपलब्धि का बखान करना शुरु कर देते हैं। ऐसा नहीं है कि मित्रों को महानगर में किसी प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत उनके लड़के की योग्यता और ज्ञान के बारे में नहीं पता ?

कभी किसी मित्र के घर पर राजन का पसंदीदा भोजन बनने का पता चलने पर उनकी इच्छा रहती है कि वह मित्र उनके घर दो व्यक्तियों के लिए भोजन भिजवा दे। ऐसा नहीं होने पर वे मन ही मन उसे कोसते रहते हैं। जिन मित्रों के साथ उनका रोज का उठना बैठना है उनकी पीठ पीछे उनके बारे में ही अनाप शनाप बोलते रहते हैं। यह सब होने और जानने के बाद भी पुराने मित्र उनके स्वभाव और उम्र को देखते हुए उनका साथ आज भी निभा रहे हैं। सेवानिवृत्त होने के बाद राजन सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेते रहते हैं। किसी सामाजिक कार्य ही नहीं बल्कि किसी मित्र के यहां कार्यक्रम में राजन के आने – जाने की व्यवस्था आयोजक या मित्र को ही करनी होती है। इन कार्यक्रमों में वे अपने वाहन का उपयोग नहीं करते। किस भी समूह में बैठकर आदर्श बातें करना , समाज और परिवार के प्रति व्यक्ति के दायित्व पर देर तक बोलना उनकी आदत बन गया है। समाज में विशेष रुप से महिलाओं की स्थिति और उत्थान जैसे विषयों पर उन्होने समय – समय पर कई कार्यक्रम किए हैं। सामाजिक संस्थाओं द्वारा प्रायोजित बेटी बचाओ , बेटी पढ़ाओ , नारी सशक्तिकरण जैसे कार्यक्रमों में वे अक्सर मुख्य अतिथि होते हैं। इन मंचों से वे समाज में दहेज प्रथा को सामाजिक कुरीति मानते हुए हमेशा इसका पुरजोर विरोध करते हैं। उनका मानना और संदेश यह है कि कन्यादान करने के बाद लड़की का पिता किसी भी तरह के लेनदेन से मुक्त हो जाता है। क्योंकि वह अपनी लड़की का दान कर चुका होता है। चाहे किसी भी रुप में हो दहेज का प्रश्न ही नहीं होना चाहिए। विवाह के बाद लड़के को या उसके परिवारजनों को अपनी किसी भी तरह की जरुरत को न तो लड़की को या उसके परिवारजनों को बताना चाहिए और न ही उनसे किसी तरह की अपेक्षा करनी चाहिए।

> **आखिरकार उसके पिता ने इस मकान को बेचने से प्राप्त रुपये उसे उपहार के रुप में दे दिए। हर सामाजिक मंच पर दहेज या विवाह के बाद किसी उपहार लेने के विरोध में बोलने वाले राजन ने अपने पुत्र के विवाह के बीस से भी ज्यादा वर्ष बीत जाने के बाद भी यह दहेज के रुप में उपहार नहीं लिया था तो क्या लिया था ? इतने वर्षों में सरला ने एक तरह से अपने पिता को इस तरह का काम करने के लिए विवश कर दिया था। उन्होंने यदि इस तरह का उपहार सरला को देना ही होता तो वे सरला के विवाह के समय या पूर्व में कभी भी दे सकते थे। राजन और नेहा को इस पूरे मामले की जानकारी शुरु से थी। सरला के पिता ने उनसे जब भी इस बारे में जिक्र किया तो वे चुप रहे।**

मित्रों के बच्चों के विवाह कार्यक्रमों में रखी गई व्यवस्था और खाने की सामग्री पर नकारात्मक टिप्पणी करना उनके लिए बहुत जरुरी होता है। जिसकी तुलना वे अपने बच्चों के तथाकथित शानदार विवाह और बेहतरीन व्यवस्था से करने लगते हैं। मित्रों के बच्चों को विवाह के समय मिले वधू पक्ष की ओर से उपहारों को वे दहेज के रुप में ही मानते आए हैं। मित्रों की गैर मौजूदगी में उनके द्वारा इन उपहारों को स्वीकार करने को लेकर बातें बनाना ,ताने देना और हंसी उड़ाने में राजन को शायद विशेष आनंद और आत्मसंतुष्टि की अनुभूति होती है। उन्हे दहेज के विरोध में बोलने के लिए सामग्री मिल जाती है। जिसका उल्लेख वे गाहे बगाहे करते रहते हैं। जिस तरह हाथी के दांत खाने के अलग और दिखाने के अलग होते हैं उसी तरह राजन के चरित्र में सामाजिक जीवन में कार्य और पारिवारिक जीवन में कार्य के मापदंड अलग – अलग हैं। हाल ही में राजन के पुत्र अमर और पुत्रवधू सरला को महानगर में फ्लैट दिलाने के लिए सरला के पिता ने यहां शहर में अपना मकान बेचकर उन रुपयों से उनकी पूरी आर्थिक मदद करी। जबकि इस काम के लिए अमर लोन या राजन से भी रुपये ले सकता था। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। सरला के पीहर पक्ष के लोगों से पता चला कि सरला लंबे समय से अपने पिता से महानगर में फ्लैट लेने के बारे में चर्चा करती रहती थी। रुपयों की तंगी के कारण वे फ्लैट खरीद नहीं पा रहे थे। सरला ने इस शहर में पिता का किराए पर दिया हुआ यह मकान बेचने की सलाह अपने पिता को बहुत पहले ही दे दी थी। आखिरकार उसके पिता ने इस मकान को बेचने से प्राप्त रुपये उसे उपहार के रुप में दे दिए। हर सामाजिक मंच पर दहेज या विवाह के बाद किसी उपहार लेने के विरोध में बोलने वाले राजन ने अपने पुत्र के विवाह के बीस से भी ज्यादा वर्ष बीत जाने के बाद भी यह दहेज के रुप में उपहार नहीं लिया था तो क्या लिया था ? इतने वर्षों में सरला ने एक तरह से अपने पिता को इस तरह का काम करने के लिए विवश कर दिया था। उन्होंने यदि इस तरह का उपहार सरला को देना ही होता तो वे सरला के विवाह के समय या पूर्व में कभी भी दे सकते थे। राजन और नेहा को इस पूरे मामले की जानकारी शुरु से थी। सरला के पिता ने उनसे जब भी इस बारे में जिक्र किया तो वे चुप रहे। उन्होंने अमर या सरला को कभी यह काम नहीं करने के लिए नहीं कहा। इस पूरे प्रकरण में साफ पता चलता है कि सरला को अपने पिता को इस काम के लिए राजी करने के लिए राजन , अमर और नेहा ने ही कहा होगा। यह मकान साहिल ने ही खरीदा है। इस मकान को बेचने सम्बंधित कार्यवाही में राजन ने अपने सभी संपर्कों को पूरा काम में लिया। जबकि राजन ने अपनी लड़की के विवाह के समय या इतने वर्ष बीत जाने के बाद उपहार या अन्य किसी तरह का कुछ नहीं दिया। यह सब कुछ हो जाने के बाद सरला के पिता ने इसी शहर में अपना दूसरा मकान अपने लड़के के नाम कर दिया।

इन सब बातों की मुझे गुजरते समय के साथ इसकी पुष्टि हो गई थी । ज़िंदगी में राजन के दोहरे मापदंड को जानकर मेरे दिमाग में राजन की आदर्श व्यक्ति के रुप में बसी प्रतिमा अब टूटकर बिखर गई है। उसके बिखरे टुकड़ों को मैं समेटना नहीं चाहता । बिखरे हुए टुकड़ो में मुझे राजन का कई मुखौटे लगे हुए अलग – अलग चेहरे नजर आते हैं। मेरी धारणा और नजरिया बदलने से अब उनके प्रति पहले जैसा सम्मान नहीं रहा। विश्वविद्यालय में कभी छात्रों को समाजशास्त्र के पाठ पढ़ाने वाले प्रोफेसर राजन जैसे चरित्र की दोहरे , अपने लिए अलग और समाज या दुनिया के लिए अलग , मापदंड वाली ज़िंदगी में उसके असली चेहरे को पहचानना मुश्किल है।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

अग्निधर्मा

प्राय: हम सबके घर की ठाकुरबाड़ी में तड़के और सांझ, दीया प्रज्वलित किया जाता है। सामान्यत: दीये के मध्य भाग में घी में डूबी बाती रखकर उसका अग्रभाग ठाकुर जी की ओर करके उसे प्रदीप्त करते हैं। आज देखता हूँ कि बाती का मुँह ठाकुर जी की ओर न होकर साधक की ओर हो चला है। इसके चलते ज्योति भी साधक की ओर आ रही है।

दृश्य से विचार उपजा, विचार का आलोक मस्तिष्क में प्रभासित हुआ। अपने देखे पर विचार किया, ज्योति की दिशा पर चिंतन किया तो फिर विचार पर, चिंतन पर और स्वयं पर हँसी आने लगी।

लौ का अग्रभाग, उसका मुँह कौनसा है, यह कौन निर्धारित करेगा? अग्नि तो अग्नि है। उसका हर अंश दहकता है। हर दिशा में अग्रभाग है। पत्थरों की रगड़ से उद्भूत स्फुलिंग से लेकर अरण्य को चट कर जाने वाले दावानल तक और आकाश में लावा बिखेरती दामिनी से लेकर सागर के पेट में सुलगते बड़वानल तक, हर प्रकार की अग्नि का गुणधर्म है दाहकता।

भारतीय परंपरा का एक गुणधर्म, मानवीकरण भी है। अग्नि का मानवीकरण करते समय एक दूसरे की विपरीत दिशा में दो चेहरे दिखाए जाते हैं। अग्नि के प्रवाह की कोडिंग हैं ये दो चेहरे। एक ओर ऊर्जा का, जीवन का प्रतीक है अग्नि। दूसरी ओर ऊर्जा के गमन के बाद देह का लपटों को समर्पण का प्रतीक है अग्नि।

वतायो फ़क़ीर सिंध के गहन दार्शनिक एवं विद्वान संत थे। उनके अनेक आख्यान प्रसिद्ध हैं। कहा जाता है कि कंपकंपाने वाली शीत लहर की एक रात में वतायो और उनकी माँ, दोनों ठिठुर रहे थे। माँ ने बेटे से कहा, वतायो, सुनते हैं, तू ईश्वर के निकट है। मैं भी यही महसूस करती हूँ। आज जाड़ा बहुत है। अपने ईश्वर से कह कि नर्क की थोड़ी-सी आग हम ग़रीबों के लिए दे दे।

वतायो हँस पड़े। फिर बोले, माँ, नर्क में कोई आग नहीं होती। सब अपनी-अपनी आग साथ लेकर आते हैं। अपनी अग्नि के साथ किस पथ पर और किस दिशा में यात्रा करनी है, इसका निर्णय निजी स्तर पर ही करना होता है। हाँ, अपनी अग्नि के आलोक में अग्निधर्मा हो सकने का स्वर्णिम अवसर प्रकृति हरेक को देती है। इति।

बोध कथा

बगुला भगत और केकड़ा

एक वन प्रदेश में एक बहुत बड़ा तालाब था। हर प्रकार के जीवों के लिए उसमें भोजन सामग्री होने के कारण वहां नाना प्रकार के जीव, पक्षी, मछलियां, कछुए और केकड़े निवास करते थे। पास में ही बगुला रहता था, जिसे परिश्रम करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। उसकी आंखें भी कमजोर थीं। मछलियां पकडने के लिए तो मेहनत करनी पड़ती हैं, जो उसे खलती थी। इसलिए आलस्य के मारे वह प्रायः भूखा ही रहता। एक टांग पर खड़ा यही सोचता रहता कि क्या उपाय किया जाए कि बिना हाथ-पैर हिलाए रोज भोजन मिले। एक दिन उसे एक उपाय सूझा तो वह उसे आजमाने बैठ गया।

बगुला तालाब के किनारे खड़ा हो गया और लगा आंखों से आंसू बहाने। एक केकड़े ने उसे आंसू बहाते देखा तो वह उसके निकट आया और पूछने लगा मामा, क्या बात है भोजन के लिए मछलियों का शिकार करने की बजाय खड़े आंसू बहा रहे हो? बगुले ने जोर की हिचकी ली और भर्राए गले से बोला बेटे, बहुत कर लिया मछलियों का शिकार। अब मैं यह पाप कार्य और नहीं करूंगा। मेरी आत्मा जाग उठी हैं। इसलिए मैं निकट आई मछलियों को भी नहीं पकड़ रहा हूं। तुम तो देख ही रहे हो। केकड़ा बोला मामा, शिकार नहीं करोगे, कुछ खाओगे नही तो मर नहीं जाओगे? बगुले ने एक और हिचकी ली ऐसे जीवन का नष्ट होना ही अच्छा है बेटे, वैसे भी हम सबको जल्दी मरना ही हैं। मुझे ज्ञात हुआ हैं कि शीघ्र ही यहां बारह वर्ष लंबा सूखा पड़ेगा। बगुले ने केकड़े को बताया कि यह बात उसे एक त्रिकालदर्शी महात्मा ने बताई है, जिसकी भविष्यवाणी कभी गलत नहीं होती। केकड़े ने जाकर सबको बताया कि कैसे बगुले ने बलिदान व भक्ति का मार्ग अपना लिया है और सूखा पड़ने वाला है। उस तालाब के सारे जीव मछलियां, कछुए, केकड़े, बत्तख व सारस आदि दौड़े-दौडे बगुले के पास आए और बोले भगत मामा, अब तुम ही हमें कोई बचाव का रास्ता बताओ। अपनी अक्ल लड़ाओ तुम तो महाज्ञानी बन ही गए हो। बगुले ने कुछ सोचकर बताया कि वहां से कुछ कोस दूर एक जलाशय हैं जिसमें पहाड़ी झरना बहकर गिरता हैं। वह कभी नहीं सूखता। यदि जलाशय के सब जीव वहां चले जाएं तो बचाव हो सकता है। अब समस्या यह थी कि वहां तक जाया कैसे जाएं? बगुले भगत ने यह समस्या भी सुलझा दी मैं तुम्हें एक-एक करके अपनी पीठ पर बिठाकर वहां तक पहुंचाऊंगा क्योंकि अब मेरा सारा शेष जीवन दूसरों की सेवा करने में ही तो गुजरेगा। सभी जीवों ने गद-गद होकर 'बगुला भगतजी की जै' के नारे लगाए। अब बगुला भगत के पौ-बारह हो गई। वह रोज एक जीव को अपनी पीठ पर बिठाकर ले जाता और कुछ दूर ले जाकर एक चट्टान के पास जाकर उसे उस पर पटककर मार डालता और खा जाता। कभी मूड हुआ तो भगतजी दो फेरे भी लगाते और दो जीवों को चट कर जाते तालाब में जानवरों की संख्या घटने लगी। चट्टान के पास मरे जीवों की हड्डियों का ढेर बढ़ने लगा और भगतजी की सेहत बनने लगी। खा-खाकर वह खूब मोटे हो गए। मुख पर लाली आ गई और पंख चर्बी के तेज से चमकने लगे। उन्हें देखकर दूसरे जीव कहते देखो, दूसरों की सेवा का फल और पुण्य भगतजी के शरीर को लग रहा है।

बगुला भगत मन ही मन खूब हंसता। वह सोचता कि देखो दुनिया में कैसे-कैसे मूर्ख जीव भरे पड़े हैं, जो सबका विश्वास कर लेते हैं। ऐसे मूर्खों की दुनिया में थोड़ी चालाकी से काम लिया जाए तो मजे ही मजे हैं। बिना हाथ-पैर हिलाए खूब दावत उड़ाई जा सकती है। बहुत दिन यही क्रम चला। एक दिन केकड़े ने बगुले से कहा मामा, तुमने इतने सारे जानवर यहां से वहां पहुंचा दिए, लेकिन मेरी बारी अभी तक नहीं आई। भगतजी बोले बेटा, आज तेरा ही नंबर लगाते हैं, आजा मेरी पीठ पर बैठ जा। केकड़ा खुश होकर बगुले की पीठ पर बैठ गया। जब वह चट्टान के निकट पहुंचा तो वहां हड्डियों का पहाड देखकर केकड़े का माथा ठनका। वह हकलाया यह हड्डियों का ढेर कैसा हैं? वह जलाशय कितनी दूर है मामा?बगुला भगत ठां-ठां करके खुब हंसा और बोला मूर्ख, वहां कोई जलाशय नहीं है। मैं एक-एक को पीठ पर बिठाकर यहां लाकर खाता रहता हूं। आज तु मरेगा।केकड़ा सारी बात समझ गया। वह सिहर उठा परन्तु उसने हिम्मत न हारी और तुरंत अपने पंजों को आगे बढ़ाकर उनसे दुष्ट बगुले की गर्दन दबा दी और तब तक दबाए रखी, जब तक उसके प्राण पखेरु न उड़ गए।फिर केकड़ा बगुले भगत का कटा सिर लेकर तालाब पर लौटा और सारे जीवों को सच्चाई बता दी कि कैसे दुष्ट बगुला भगत उन्हें धोखा देता रहा।

वीर गाथा

मेजर अमित दहिया: दोहरी चुनौती में भी दिखाई दिलेरी, आतंकवादियों को ढूंढ़कर ढेर किया

मेजर अमित दहिया का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गोपालपुर गांव में हुआ था। माता राज कुमारी दहिया और पिता रामफल दहिया के बेटे अमित पैराशूट रेजिमेंट की पहली बटालियन (स्पेशल फोर्सेज) के योद्धा हैं। वे जुलाई 2021 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में 'सर्च एंड डिस्ट्रॉय ऑपरेशन' टीम का नेतृत्व कर रहे थे। उनकी टीम को आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना मिली थी। इसके बाद अमित को आतंकवादियों का खात्मा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। मेजर अमित प्रतिकूल मौसम के बावजूद अपनी टीम को संबंधित इलाके में ले जाने में कामयाब हुए। इसके बाद उन्होंने आतंकवादियों पर जोरदार हमला करने की योजना बनाई। अमित ने स्नाइपर टुकड़ियों को ऊंची जगहों पर तैनात कर दिया, ताकि एक भी आतंकवादी न भाग सके।

रोजाना की तरह, सुबह उस इलाके में आम लोगों की आवाजाही ज्यादा थी। अचानक कुछ आतंकवादी आए और उन्होंने नागरिकों को ढाल बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अब मेजर अमित के सामने दोहरी चुनौती थी। उन्हें नागरिकों और अपने जवानों, दोनों का जीवन सुरक्षित बनाना था। उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया।

इसके बाद उन्होंने साथी जवानों को फ़ायर सपोर्ट दिया। इससे दूसरा आतंकवादी भी ढेर हो गया। मेजर अमित दहिया ने असाधारण साहस, शानदार नेतृत्व और रणनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया। वे पूर्व में सेना मेडल से भी सम्मानित हो चुके हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ट्रंप इसे एक 'बड़ी कामयाबी' बता रहे हैं, लेकिन क्या हमास सच में गाजा में हथियार छोड़ेगा?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/द कन्वरसेशन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि हमास और गाजा के दूसरे चरमपंथी गुट हथियार छोड़ने पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप इसे इस क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में ''एक अहम कदम'' बता रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि हमास के निशस्त्रीकरण के बाद एक फलस्तीनी समिति गाजा का प्रशासन संभाल सकेगी और इजराइल की सेना इस क्षेत्र से हट जाएगी। यह सब ट्रंप के 20-सूत्री शांति योजना के तहत होगा, जिस पर हमास और इजराइल पिछले साल अक्टूबर में सहमत हुए थे।

हमास के अधिकारियों का कहना है कि वे इस प्रक्रिया के लिए सहमत हो गए हैं, हालांकि बातचीत करने वाली टीम के एक सदस्य ने चेतावनी दी कि उनका हथियार छोड़ना इजराइल के गाजा से पूरी तरह हटने पर निर्भर करेगा। तो, क्या यह आगे बढ़ने की ओर एक बड़ा कदम है, या अब भी बहुत सारे सवाल अनसुलझे हैं? हमास की वैधता : अगर हमास पूरी तरह से हथियार छोड़ने के लिए सहमत हो जाता है, तो यह वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी और पूर्वी यरुशलम पर इजराइल के कब्जे के खिलाफ लगभग 40 साल के संघर्ष में इस संगठन की ओर से एक बहुत बड़ा बदलाव होगा। हमास की शुरुआत 1987 में दो लक्ष्यों के साथ हुई थी, जिसमें इजराइल के कब्जे का विरोध करना और फलस्तीनी राजनीति में फतह पार्टी के दबदबे को चुनौती देना शामिल था। अपने 2017 के चार्टर में, हमास ने कहा कि वह संघर्ष और उसकी सशस्त्र कार्रवाई को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को खारिज करता है।

उसने यह भी कहा कि ''सशस्त्र संघर्ष... फलस्तीनी लोगों के सिद्धांतों और अधिकारों की रक्षा के लिए रणनीतिक विकल्प माना जाता है''। इसके अलावा, हमास का सशस्त्र संघर्ष फलस्तीनियों के बीच उसकी वैधता का मुख्य आधार है। साथ ही फलस्तीनियों के लिए, यह संघर्ष देश का पूर्ण दर्जा पाने की कोशिशों से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसका अर्थ यह है कि फलस्तीनी आवश्यक नहीं कि राजनीतिक रूप से हमास का समर्थन करते हों या उसके इस्लामी एजेंडे से सहमत हों, लेकिन वे इस संगठन के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि इज़राइल के कब्ज़े के विरुद्ध उसका लगातार जारी सशस्त्र प्रतिरोध या तो फ़िलस्तीनी राज्य की स्थापना के प्रयासों को आगे बढ़ाता है, या फिर इज़राइल के लिए अपने कब्ज़े को स्थायी बनाने की कोशिशों में बाधा उत्पन्न करता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स की क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन भी देंगे प्रस्तुति

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर संगीतकार और गायक शंकर महादेवन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में इंडिया के हैंडओवर सेगनेंट में परफॉर्म करेंगे। यह कार्यक्रम 2 अगस्त को ग्लासगो के ओवो हाइड्रो में होगा। क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान, भारत ऑफिशियवी कॉमनवेल्थ गेम्स के सौवें एडिशन 2030 की होस्टिंग की जिम्मेदारी संभालेगा, जिसके अहमदाबाद में होने की उम्मीद है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में इंडिया के हैंडओवर सेगनेंट में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर गायक और संगीतकार शंकर महादेवन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए इसे जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि जब इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलता है, तो उन्हें एक जिम्मेदारी का एहसास होता है।

उन्होंने कहा, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे इवेंट्स बेहतरीन होने, एकता और इंसानी जज्बे का जश्न होते हैं और म्यूजिक में इसे खूबसूरती से पूरा करने की ताकत होती है। हमने अपनी परफॉर्मेंस को इस सोच के साथ तैयार किया है कि इसमें भारत की अलग -अलग भावनाएं, परंपराएं और म्यूजिक की विविधता दिखाई दे। भारत को खास बनाती है, वे सारी चीजें इसमें मौजूद हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि लोग सिर्फ हमारे म्यूजिक का मजा ही न लें, बल्कि इसके जरिए हमारे देश की गर्मजोशी, विविधता और असली रूह को भी महसूस करें।कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के क्लोजिंग सेरेमनी में 20 मिनट का 'इंडिया हैंडओवर सेगमेंट' होगा।

इस सांस्कृतिक प्रस्तुति में शंकर महादेवन, एक्ट्रेस और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर, प्लेबैक सिंगर भूमि त्रिवेदी, म्यूजिशियन सिद्धार्थ महादेवन और शिवम महादेवन, और सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा शामिल होंगे।इस परफॉर्मेंस का मकसद गुजरात राज्य को ट्रिब्यूट देना है, जो 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स होस्ट करेगा। माना जा रहा है कि शंकर महादेवन अपने दोनों बेटों सिद्धार्थ और शिवम महादेवन के साथ इस परफॉर्मेंस में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इन तीनों के साथ गुजराती प्लेबैक सिंगर भूमि त्रिवेदी भी होंगी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (राष्ट्रमंडल खेल) का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक ग्लासगो, स्कॉटलैंड में हो रहा है। इन खेलों में 74 देशों के लगभग 3,000 एथलीट कुल 16 खेलों और स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं।

ब्रिटेन के नए नेता के लिए डाउनिंग स्ट्रीट के अलावा मैनचेस्टर भी होगा सत्ता का एक केंद्र

मैनचेस्टर/एपी। लंदन के 10 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय और आवास से लगभग 260 किलोमीटर दूर साधारण सा दिखने वाला आधुनिक कार्यालय खंड ब्रिटेन में सत्ता का एक और नया केंद्र बन गया है। मैनचेस्टर स्थित यह साधारण इमारत नंबर '10 नॉर्थ' है। यह नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम की उस पहल का प्रमुख केंद्र है, जिसके जरिए वह ब्रिटेन को एक अलग और नए अंदाज़ का नेतृत्व देने का वादा कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजनीति में लौटने से पहले बर्नहैम ग्रेटर मैनचेस्टर के महापौर थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके आरंभिक कार्यों में से एक, इस शहर में कार्यालय खोलना रहा। यह स्थानीय नेताओं को ज़्यादा अधिकार देने और देश भर में आर्थिक विकास को फैलाने के उनके वादे का प्रतीक और इंजन, दोनों है। बर्नहैम इसे लंदन की वेस्टमिंस्टर राजनीति के दक्षिणी ध्रुव को संतुलित करने वाला उत्तरी ध्रुव कहते हैं। आलोचकों ने इसे एक दिखावा कहा है। यह निश्चित रूप से एक नई बात है। हालांकि, पहले के ब्रिटिश नेता सप्ताहांत अपने स्थानीय चुनाव क्षेत्रों में या प्रधानमंत्री के आधिकारिक चेकर्स' कंट्री रिट्रीट में बिताते रहे हैं, लेकिन हाल के समय में किसी ने भी लंदन के बाहर इतने बड़े स्तर का कार्यालय नहीं बनाया है। बर्नहैम की योजना है कि वह वहां हफ़्ते में कम से कम एक दिन काम करें। उनके साथ वहां सहायकों, विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों की पूर्णकालिक टीम भी होगी।

बर्नहैम ने शुक्रवार को कहा, यह कोई दूसरा कार्यालय नहीं है। यह देश में विकास और निवेश के बारे में सोचने के नजरिए में एक बुनियादी बदलाव है।'' उनका मानना है कि अपने पूर्ववर्ती केअर स्टार्मर जैसी हालत से बचने का रास्ता मैनचेस्टर से होकर ही गुज़रता है। स्टार्मर ने गलतियों, नीतियों में अचानक बदलाव और ब्रिटेन की सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने में नाकाम रहने के बाद, दो साल तक पद पर रहने के बाद जुलाई में इस्तीफा दे दिया था।

सेउटा में स्पेन-मोरक्को सीमा संकट गहराया, मृतकों की संख्या 67 हुई

सेउटा (स्पेन)/एपी। मोरक्को के साथ स्पेन के सेउटा सीमा संकट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेन सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्पेन सरकार ने कहा कि मृतकों में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जो डूब गए और कुछ 'ब्रेकवॉटर बैरियर' को पार करने की भगदड़ में मारे गए। स्पेन ने घोषणा की कि वह ब्रेकवाटर (लहररोधी बांध) की बाड़ के साथ एक अवरोधक दीवार खड़ी कर रहा है। इससे पहले बृहस्पतिवार और शुक्रवार को करीब 60000 प्रवासी स्पेन के इस क्षेत्र (सेउटा) में घुस गये थे।

शनिवार सुबह तैरकर सेउटा के ताराजल तट पर पहुंचे कुछ थके-हारे प्रवासियों को सैनिकों ने सीमा के पार वापस भेज दिया। स्पेन के गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तरी अफ्रीका में स्पेन के इलाके में दाखिल होने वाले ज़्यादातर लोग पहले ही मोरक्को लौट चुके हैं। इसके बावजूद, 84,000 की आबादी वाले स्वायत्त शहर सेउटा के निवासियों की सुरक्षा पर असर पड़ा।

सैमसंग ने भारत में नवाचार, शिक्षा प्रतिस्पर्धा के लिए 100 दलों का चयन किया

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण कोरियाई उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने शनिवार को कहा कि उसने भारत में अपनी राष्ट्रव्यापी नवाचार और शिक्षा प्रतियोगिता 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' पहल के पांचवें संस्करण के लिए 100 दलों का चयन किया है। इसमें शीर्ष चार दलों को दो करोड़ रुपये मूल्य का इनक्यूबेशन अनुदान दिया जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अंतिम सूची में शामिल आधे से अधिक दल टियर-2 और टियर-3 शहरों से आते हैं, जिससे पता चलता है कि प्रतिभा और उद्यमशीलता की महत्वाकांक्षा देश के महानगरों से बहुत आगे तक फल-फूल रही है। इस समूह में बिहार के बक्सर, असम के कामरूप से लेकर हरियाणा के कैथल और तेलंगाना के मेडचल मल्काजगिरी तक के युवा नवप्रवर्तक शामिल हैं। बयान के मुताबिक इस साल सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के लिए पिछले साल की तुलना में 85 प्रतिशत अधिक आवेदन आए।

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं तब्बू

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। आईएएनएस से खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ''साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं।

उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।'' निहारिका ने कहा, साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड

एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ''वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।'' बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।''

फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, ''राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'' विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल, संजय कपूर, बरखा सिंह, चंदन रॉय सान्याल, विवान भटेना और विकल्प मेहता जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

राजेश खन्ना और मुमताज की जोड़ी: जिसने बना दिया एक यादगार दौर

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के इतिहास में कुछ जोड़ियां ऐसी रही, जिन्हें दर्शक बेहद पसंद करते थे। 1970 के दशक में ऐसी ही एक जोड़ी थी राजेश खन्ना और मुमताज की। दोनों जब पर्दे पर साथ आते थे तो उनकी बातचीत, हंसी-मजाक और रोमांटिक अंदाज दर्शकों को बहुत पसंद आता था। इसी शानदार केमिस्ट्री की वजह से दोनों की जोड़ी इतनी मशहूर हुई कि समय के साथ उनकी दोस्ती और रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी होने लगीं। हालांकि, दोनों ने हमेशा अपने रिश्ते को एक अच्छी दोस्ती का नाम दिया। मुमताज का जन्म 31 जुलाई 1947 को मुंबई में हुआ था। उनका पूरा नाम मुमताज अस्करी था। उनका बचपन फिल्मी दुनिया से जुड़ा रहा और उन्होंने बहुत कम उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। शुरुआत में उन्हें छोटे-छोटे किरदार मिले। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें सिर्फ एक्शन फिल्मों की अभिनेत्री के तौर पर देखा जाता था। मुमताज ने अभिनेता दारा सिंह के साथ कई फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों से उन्हें लोकप्रियता तो मिली, लेकिन असली पहचान तब मिली, जब उन्होंने बड़े सितारों के साथ मुख्य भूमिकाएं निभानी शुरू कीं। धीरे-धीरे उनकी खूबसूरती, अभिनय और डांस की चर्चा होने लगी। उन्होंने 'दुश्मन', 'प्रेम नगर', 'रोटी', 'खिलौना', 'महबूबा', 'ये रात फिर ना आएगी', 'हमराज', 'ब्रह्मचारी' और 'चोर सिपाही' जैसी फिल्मों में काम किया। इसी दौर में उनकी जोड़ी राजेश खन्ना के साथ बनी। राजेश खन्ना उस समय हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक थे। उनके रोमांटिक अंदाज और अभिनय के लाखों प्रशंसक थे।जब मुमताज और राजेश खन्ना ने साथ काम किया तो दोनों की स्क्रीन पर मौजूदगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। दोनों ने 'दो रास्ते', 'सच्चा झूठा', 'आप की कसम' और 'अपना देश' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री दिखाई देती थी। उनके रोमांटिक सीन्स बनावटी नहीं लगते थे। मुमताज की चंचलता और राजेश खन्ना का आकर्षक अंदाज एक-दूसरे के साथ अच्छा मेल खाता था। यही वजह थी कि दर्शक उनकी जोड़ी को बार-बार देखना चाहते थे। इनके गाने भी बहुत लोकप्रिय हुए और उनकी जोड़ी उस दौर की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाने लगी। इस लोकप्रियता के कारण दोनों के निजी रिश्ते को लेकर भी कई बातें सामने आने लगीं। लेकिन, मुमताज ने कई मौकों पर कहा कि उनके और राजेश खन्ना के बीच एक अच्छी दोस्ती है। मुमताज को करियर का सबसे बड़ा सम्मान फिल्म 'खिलौना' के लिए मिला। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।1974 में मुमताज ने बिजनेसमैन मयूर माधवानी से शादी कर ली। शादी के बाद, उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और अपने परिवार को समय देने का फैसला किया। उस समय वह अपने करियर की पीक पर थीं, इसलिए उनका फिल्मों से दूर जाना कई लोगों के लिए हैरानी की बात थी।

'जुगनी' को लेकर चल रहे विवाद पर गायक सोनू ठकराल ने शिकायत दर्ज करवाई

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के हालिया रिलीज सॉन्ग 'जुगनी' के गायक सोनू ठकराल ने गाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। 15 जुलाई को मेकर्स ने सॉन्ग 'जुगनी' का आधिकारिक म्यूजिक वीडियो रिलीज किया था। इसके बाद लोगों ने दावा किया कि वीडियो के एक सीन में वॉर्डरोब मॉलफंक्शन दिखाई दिया है, जिसके उस सीन के क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। इसके बाद से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग शुरू होने लगी। लोगों का कहना है कि ऐसे सीन को फाइनल कट में क्यों रखा गया। हालांकि बाद में मेकर्स ने उस सीन को ब्लर कर दिया या हटा दिया, लेकिन वीडियो के क्लिप्स अब भी सोशल मीडिया पर घूम रहे हैं, जिसे देखते हुए गायक सोनू ठकराल ने दावा किया है कि वायरल वीडियो एआई की मदद से बनाया गया है। उनका कहना है कि एआई से बना हुआ वर्जन ही सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। शनिवार को गायक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने इस मामले पर कार्यवाही करने की बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पुलिस स्टेशन के साइबर सेल से अपना एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें उन्होने लिखा, मैंने अपने गाने 'जुगनी' के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। क्लिप को एआई का इस्तेमाल करके एडिट भी किया गया है और क्लिप का एआई-जेनरेटेड वर्जन आगे सर्कुलेट किया जा रहा है। मैं जल्द ही इसके बारे में पब्लिकली बात करूंगा।

हालांकि, जैकलीन और 'जुगनी' के मेकर्स ने इस मामले पर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया है। जैकलीन पर फिल्माए गए इस ट्रैक को सोनू ठुकराल और बी प्राक ने मिलकर गाया है। 'जुगनी' के लिए संगीत एमएनएलटीएक्स और एवीवीवाई सरा ने दिया है और इसके बोल एफएक्सआरजैडआई ने लिखे हैं। 'जुगनी' के म्यूजिक वीडियो को अरविंद एस खैरा ने डायरेक्ट किया है। वहीं गाने को मिक्स और मास्टर योगराज सिंह ने किया है।

जयंती

महाराष्ट्र के नागपुर में शनिवार को समाज सुधारक अन्ना भाऊ साठे की जयंती मनाते लोग।

मानुषी छिल्लर ने बताई 2015 में पेपर लीक के बाद दोबारा एंट्रेंस देने की कहानी, कहा- 'सबसे मुश्किल वक्त था वो'

मुंबई/एजेन्सी

मिस वर्ल्ड 2017 का ताज पहनने वाली और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर आज ग्लैमर की दुनिया का जाना-माना नाम हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि मानुषी ने एक्ट्रेस बनने से पहले मेडिकल की पढ़ाई की थी और डॉक्टर बनने का सपना देखा था। हाल ही में सोहा अली खान के यूट्यूब टॉक शो 'ऑल अबाउट हर' में उन्होंने अपने जीवन के उस दौर के बारे में बात की, जब उन्हें डॉक्टर बनने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। खासकर 2015 में हुए मेडिकल एंट्रेंस पेपर लीक के बाद जो कुछ हुआ, उसने उन्हें अंदर तक तोड़ कर रख दिया था। टॉक शो में मानुषी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, पेपर लीक को मैं दो नजरिए से देखती हूं। एक मेरा खुद का अनुभव और दूसरा देश के लाखों स्टूडेंट्स की सच्चाई। मेरे माता-पिता खुद डॉक्टर हैं और वो पहले से जानते थे कि मेडिकल की तैयारी कितनी कठिन होती है। इसलिए मैं मानसिक तौर पर थोड़ी तैयार थी लेकिन फिर भी उस समय को झेलना आसान नहीं था।

मानुषी ने बताया, ''पेपर लीक के बाद मुझे अपनी सारी खुशियां एक तरफ रखनी पड़ीं। मैं एक प्रोफेशनल कुचिपुड़ी डांसर थी। मुझे पेंटिंग करना बहुत पसंद था। दोस्तों के साथ समय बिताना, घूमना-फिरना, ये सब मुझे बहुत अच्छा लगता था लेकिन एंट्रेंस दोबारा होने की वजह से पूरे एक साल तक मैंने ये सब छोड़ दिया। सिर्फ पढ़ाई, कोचिंग और किताबें ही मेरा फोकस रहा। उस एक साल में मेरी दुनिया बहुत छोटी हो गई थी। सुबह से रात तक बस एक ही लक्ष्य था दोबारा एग्जाम क्लियर करना।''

मानुषी ने आगे कहा, ''मेरा संघर्ष दूसरों के मुकाबले कुछ भी नहीं है। तैयारी के दौरान मैं ऐसे कई बच्चों से मिली, जिनकी कहानी सुनकर रोना आ जाता है, जिनके माता-पिता ने कोचिंग भेजने के लिए अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज किया। कई बच्चे छोटे शहरों से बड़े शहर आए थे और एक छोटे से कमरे में 4-5 लोग साथ रहते थे। दिन-रात सिर्फ एक एग्जाम के लिए पढ़ते थे। उनके पास कोई प्लान बी नहीं था।'' पेपर लीक के बाद की स्थिति के बारे में मानुषी ने कहा, ''जब आपको बताया जाता है कि महीनों की तैयारी के बाद अब 45 दिन और देने हैं, तो मन थक जाता है। लगता है कि अब और कहां से ताकत लाऊं। मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं, क्योंकि मुझे घरवालों का पूरा सपोर्ट मिला। इसी सपोर्ट की वजह से मैं उस दौर से निकल पाई। मेरे माता-पिता ने कहा था कि चाहे कुछ भी हो जाए, रोज एक घंटा एक्सरसाइज करनी है। चाहे बास्केटबॉल खेलो या जिम जाओ। ये एक घंटा मेरे दिमाग को फ्रेश रखता था।''

बातचीत के दौरान सोहा ने मानुषी से पूछा कि क्या ऐसा कोई पल आया जब उन्हें लगा कि अब डॉक्टर बनने का रास्ता नहीं चुनना है। जवाब में मानुषी ने कहा, ये फैसला एक दिन में नहीं आया। ये धीरे-धीरे हुआ। मुझे सच में मेडिकल पढ़ना अच्छा लगता था लेकिन जब हम कॉलेज पहुंचे, तो महसूस हुआ कि एंट्रेंस क्लियर करना ही आखिरी पड़ाव नहीं था। असली चुनौती तो अब शुरू हुई है।

मानुषी ने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए कहा, हमारे सीनियर्स मजाक में कहते थे कि मेडिकल कॉलेज में तुम सिर्फ पहले दो दिन और आखिरी दो दिन खुश रहोगे। बीच के सारे साल बस पढ़ाई और थकान है। अब समझ आता है कि वो थकान नहीं थी, वो बर्नआउट था। सालों तक एक ही लक्ष्य के लिए भागने के बाद जब कॉलेज शुरू हुआ तो एनर्जी खत्म हो चुकी थी। मुझे लगा कि मैंने मंजिल पा ली, लेकिन असल में मेरे सामने एक और बहुत बड़ा पहाड़ था। आज मानुषी डॉक्टर से एक्ट्रेस बन गई हैं। मिस वर्ल्ड बनने के बाद उन्होंने 2022 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद वो 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' में भी नजर आईं।

असाधारण महिलाओं को पर्दे पर जीवंत करने में माहिर हैं विद्या बालन

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म शकुंतला देवी को रिलीज हुए छह साल हो चुके हैं, लेकिन यह फिल्म आज भी विद्या बालन की उस खास क्षमता की मिसाल है, जिसके जरिए उन्होंने असाधारण महिलाओं की कहानियों को पर्दे पर बेहद सहज और भावनात्मक तरीके से पेश किया। यही वजह है कि समय के साथ विद्या बालन बॉलीवुड की उन भरोसेमंद अभिनेत्रियों में शामिल हो गई हैं, जो मजबूत महिला किरदारों को पूरी गरिमा और गहराई के साथ निभाने के लिए जानी जाती हैं। यह उनकी प्रतिभा क्षमता ही है, जहां उन्होंने द डर्टी पिक्चर में ग्लैमरस सिल्क स्मिता से प्रेरित किरदार निभाने से लेकर महान गणितज्ञ शकुंतला देवी का किरदार निभाकर इन असाधारण महिलाओं की कहानियों को यादगार बनाया।

सच पूछिए तो शकुंतला देवी का किरदार निभाना सिर्फ उनकी शानदार गणितीय प्रतिभा दिखाने तक सीमित नहीं था। विद्या ने उनके आत्मविश्वास, हाजिरजवाबी, आकर्षक व्यक्तित्व और भावनात्मक पहलुओं को भी बखूबी पर्दे पर उतारा। उन्होंने शकुंतला देवी को सिर्फ एक महान गणितज्ञ के रूप में नहीं दिखाया, बल्कि एक ऐसी महिला के रूप में पेश किया, जो अपने सपनों और महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ मां होने और निजी रिश्तों को भी संभालने की कोशिश कर रही थी। उनके अभिनय की यही खूबी थी कि दर्शक महान शख्सियत के साथ-साथ उनके पीछे छिपे इंसान से भी जुड़ गए। आज भी शकुंतला देवी विद्या बालन के करियर की यादगार फिल्मों में शामिल है। यह फिल्म सिर्फ एक महान गणितज्ञ की कहानी नहीं थी, बल्कि इसने एक बार फिर साबित किया कि विद्या बालन असाधारण महिलाओं की जिंदगी को अपनी दमदार, सहज और भावनात्मक अदायगी के साथ पर्दे पर जीवंत करने में कितनी माहिर हैं। उनके ऐसे किरदार सिर्फ प्रेरित नहीं करते, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के साथ जुड़े रहते हैं।

नेल्लूर चैप्टर की नई कार्यकारिणी का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नेल्लूर। विप्र फाउंडेशन नेल्लूर चैप्टर के साथ जोन 16 बी की बैठक आर्यवैशक कल्याण मंडपम नेल्लूर में राणमल राजपुरोहित की अध्यक्षता में आयोजित हुई। राणमल ने अतिथियों का स्वागत किया और परिचय कराया। मंच पर विफा के दक्षिण क्षेत्रीय महामंत्री भगवान व्यास, जोन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पारीक, महामंत्री राजेंद्र गौड़, तिरुपति चैप्टर के उपाध्यक्ष जोगसिंह राजपुरोहित, मंत्री सूर्य प्रकाश शर्मा को आसीन कर उनका स्वागत किया गया।ङ्गङ्गबैठक में राजेंद्र प्रसाद पारीक ने संगठन का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि जोन को मजबूत बनाने के लिए हमे चित्तूर, अनंतपुर, करनूल, मदनपली में चैप्टर खोलने होंगे। भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन के कार्यों,प्रकल्पों एवं संगठनात्मक निर्णयों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने सदस्यता के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि नेल्लूर में 100 से अधिक सदस्य बनाए जा सकते हैं।ङ्गबैठक में सर्वसम्मिति से वर्ष 2026-2028 के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति का चयन किया गया जिसमें अध्यक्ष देवीसिंह ऊण राजपुरोहित, सचिव गणेशलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रकाश रावल, उपाध्यक्षद्वय किशोर सिंह राजपुरोहित एवं शंकरसिंह राजपुरोहित, सहमन्त्री मदनसिंह राजपुरोहित व कालूसिंह राजपुरोहित को चुना गया। कार्यकारणी में जगदीश रावल, गणपत व्यास, श्रवण राजपुरोहित, सुरेश श्रीमाली, विक्रमसिंह राजपुरोहित, जामंतराज राजपुरोहित, अर्जुन सिंह राजपुरोहित को शामिल किया गया। युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष कपूरचंद राजपुरोहित को मनोनीत किया गया। भगवान व्यास एवं राजेंद्र प्रसाद पारीक ने नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया। जोन के मंत्री राजेन्द्र गौड़ के धन्यवाद प्रस्ताव के बाद बैठक सम्पन्न हुई।

महावीर के सिद्धांत कभी आउटडेटेड नहीं होते : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वरजी म.

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. ने गौतम किरण परिसर में शनिवार की धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन के वास्तविक उत्थान के दो सबसे बड़े आधार ग्रंथ और सद्गुरु हैं। जिस व्यक्ति को उत्तम ग्रंथ और सद्गुरु का सान्निध्य नहीं मिला, वह वास्तव में सबसे दरिद्र है। धन-संपत्ति का अभाव मनुष्य को गरीब नहीं बनाता, बल्कि सही मार्गदर्शन और आध्यात्मिक ज्ञान का अभाव ही वास्तविक निर्धनता है। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर की साधु परंपरा गुरु-शिष्य संबंध की सर्वोच्च परंपरा रही है। भगवान महावीर को आचार्य रूप में, गौतमस्वामी को पात्र शिष्य के रूप में तथा सुधर्मास्वामी को परंपरा के संवाहक के रूप में जो दिव्य विरासत मिली, उसी ने जैन धर्म को युगों-युगों तक जीवंत बनाए रखा।

ग्रंथ की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रंथ वही हैं, जो मन की ग्रंथियों को खोल दें। विज्ञान केवल भौतिक गांठों को खोल सकता है, लेकिन क्रोध, लोभ, मान, माया और अहंकार जैसी मानसिक ग्रंथियों को खोलने की क्षमता केवल धर्मग्रंथों और सद्गुरु में है।

उन्होंने आधुनिक समय का उल्लेख करते हुए कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आई) और विज्ञान का युग है। कुछ लोग यह मानते हैं कि आधुनिक तकनीक के सामने भगवान महावीर के विचार पुराने हो गए हैं, किन्तु यह भ्रम है। लगभग 2600 वर्ष पूर्व भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांत और आत्मसंयम के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और आने वाले समय में भी रहेंगे। समय बदल सकता है, तकनीक बदल सकती है, लेकिन सत्य कभी पुराना नहीं होता। आचार्यश्री ने कहा कि आत्मा के कल्याण के लिए सद्गुरु एक सेतु हैं, जो शिष्य को परमात्मा से जोड़ते हैं।

परमगुरु की प्राप्ति प्रत्यक्ष नहीं होती, बल्कि सद्गुरु ही उन तक पहुंचने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे बीज स्वयं वृक्ष नहीं बन सकता और पत्थर स्वयं मूर्ति नहीं बन सकता, वैसे ही जीव भी गुरु के मार्गदर्शन के बिना शिव नहीं बन सकता। प्रवचन के अंत में आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं को रविवार को आयोजित विशेष युवा शिविर में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि उसमें लाइफ मैनेजमेंट विषय पर जीवन को सफल, संतुलित और सार्थक बनाने वाले अनेक व्यावहारिक सूत्रों का विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा।

अंतर्विद्यालय नाट्योत्सव का आयोजन

चेन्नई/दक्षिण भारत। यहां सनातन धर्म विद्यालय के तत्वावधान में विद्यालय एग्मोर म्युजियम थिएटर में नाट्या फेस्ट नामक अन्तर्विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजलक्ष्मी रूपेश लक्ष्मण, एसपी बाहेती, प्रधानाचार्या एस लता, गोपाल अग्रवाल, अशोक कुमार मुंदड़ा, केके माहेश्वरी, सुनील डागा, विजय गोयल, आर सी डागा, एस एम दमानी, विजय कुमार माहेश्वरी, गिरी बागड़ी, वंदना भट्टड, संतोष दमानी, सहित प्रधानाचार्य आदि उपस्थित थे।दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत नृत्य के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। छात्राओं द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय दिया गया।

विद्यालय की ओर से अशोक मुंदड़ा और गिरी बागड़ी को हाल ही में महेश गौरव सम्मान से सुशोभित होने पर विद्यालय ने सम्मानित किया।

विद्यालय पत्रिका ज्योति कलश भाग-67 को जारी किया गया। चार प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लगभग 21 विद्यालय के 272 प्रतियोगियों ने भाग लिया। महिला अभिभावकों ने नाट्या फेस्ट नामक मंच के जरिए अपने हुनर की बहुत शानदार प्रस्तुति दी । दर्शकों की भीड़ से बज रही तालियों ने पूरे म्युजियम थिएटर को गूंजा दिया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कावड यात्रा

चेन्नई के मद्रास कांवड़ संघ के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 85 शिवभक्त श्रद्धालु शनिवार को चेन्नई एयरपोर्ट से बिहार के सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालु सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर लगभग 105 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए विश्वविख्यात बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग, देवघर में जलाभिषेक करेंगे तथा इसके पश्चात बाबा वासुकीनाथ धाम में भी पूजा-अर्चना करेंगे।

आज रवाना होगी बाबा रामदेवजी की साइकिल यात्रा

चेन्नई/दक्षिण भारत । बाबा रामदेवजी की असीम कृपा एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी चेन्नई से रामदेवरा साइकिल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सुबह रामदेव मंदिर से यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा के पदाधिकारियों राहुलसिंह राजपुरोहित मादड़ी विक्रम सिंह राजपूत जोधा रामा बाला ने बताया कि यह साइकिल यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ रामदेवरा के लिए रवाना होगी। यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को विदाई देने के लिए भव्य वरघोड़ा भी निकाला जाएगा।

गुरु नानक महाविद्यालय में मुंशी प्रेमचंद जयंती का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गुरुनानक महाविद्यालय में उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंदजी की जयंति का आयोजन भाषा संकाय के द्वारा किया गया। मुंशी प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान को याद करते हुए उनके द्वारा रचित कहानियों तथा उपन्यासों की प्रासंगिकता के महत्त्व को रेखांकित किया गया। मुंशी प्रेमचंद के द्वारा रचित कहानियों का वचन 17 भारतीय भाषाओं में किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के छात्र-छात्रों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।अपने स्वागत अभिभाषण में संकाय प्रमुख (डीन) डॉ. एन. प्रवीण कुमार ने कहा कि 'मुंशी प्रेमचंद एक कालजयी साहित्यकार हैं उनके द्वारा लिखित कहानियों में मानवतावाद, यथार्थवाद एवं नारी सशक्तिकरण जैसे मूल्य स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। गुरु नानक महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. आर. एम. एषिलरसी ने प्रेमचंद के योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रेमचन्द की कहानियाँ मानव मन प्रभावित करने वाली है तथा विभिन्न भाषाओं में उनकी कहानियों का वाचन भावों एवं उद्देश्यों को और भी सुन्दर ढंग से व्यक्त करने का अद्भूत प्रयास है।

प्रतिभागियों ने तमिल, तेलगु, मलयाली, मराठी, पंजाबी, बांग्ला, संथाली, संस्कृत, फ्रेंच, गुजराती आदि भाषाओं में प्रेमचंद द्वारा रचित कहानियों का वाचन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 29 छात्र-छात्रों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम भाषा संकाय के साहित्यिक क्लब आइन्दिनाय के द्वारा आयोजित किया गया था।

एसआरएम प्राइम हॉस्पिटल द्वारा एसआरएम प्राइम ज़ोन का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसआरएम प्राइम अस्पताल द्वारा एसआरएम प्राइम ज़ोन का अनावरण किया गया है जिसका उद्देश्य पड़ोस आधारित स्वास्थ सेवा पहल को आगे बढ़ाना है जिससे स्थानीय निवासियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल आसानी से उपलब्ध हो सके। इसके लिए प्रत्येक परिवार को एक विशेष कार्ड, एसआरएम प्राइम कार्ड, निःशुल्क जारी किया गया है। प्राइम जोन में रामपुरम, मनापक्कम, पोरूर, मुगालिवक्कम, वलसरवक्कम, केके नगर, नेसापक्कम जैसे इलाके सम्मिलित है जिससे इस इलाके के निवासियों को इसका मुख्य लाभ मिलेगा। इस पहल का शुभारंभ पार्श्व गायक मनो ने एसआरएम प्राइम अस्पताल के सीईओ श्रीशिव, स्वास्थ्य सेवा उपाध्यक्ष सेल्वा रामासामी, सहायक निदेशक चिकित्सा सेवा डॉ. श्रीलेखा वेंकटेशन, कि उपस्थिति में किया।

इस पहल का एक प्रमुख पहलू एसआरएम प्राइम हॉस्पिटल द्वारा प्राइम ज़ोन में रहने वाले निवासियों के लिए चिकित्सा शिविर के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच आयोजित करने की प्रतिबद्धता है। इस व्यापक निवारक स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य शीघ्र निदान को प्रोत्साहित करना, सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार करना और नियमित स्वास्थ्य जांच को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर एसआरएम प्राइम हॉस्पिटल के मुख्यकार्यकारी अधिकारी श्रीशिव ने कहा कि उनका मानना है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ, किफायती, निवारक और समुदाय से गहराई से जुड़ी होनी चाहिए। एसआरएम प्राइम ज़ोन और एसआरएम प्राइम

कार्ड का शुभारंभ हमारी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का लक्ष्य समुदाय के साथ स्थायी संबंध बनाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा सभी के लिए सुलभ, सुविधाजनक और आसानी से उपलब्ध हो।

पुरुषार्थ ही सफल जिंदगी की चाबी है, क्षण मात्र भी प्रमाद न करे : जयतिलक मुनि

चेन्नई/दक्षिण भारत। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन संघ के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में गुरुदेव जयतिलक मुनिजी म.सा. ने कहा कि पुरुषार्थ ही सफल जिंदगी की चाबी है। जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है, इसलिए क्षण मात्र का भी प्रमाद नहीं करना चाहिए। भगवान महावीर स्वामी एवं उनके प्रथम गणधर गौतम स्वामी के प्रेरक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार भगवान महावीर ने गौतम स्वामी को समय की महत्ता समझाते हुए बताया था कि जो व्यक्ति अपने जीवन का एक-एक क्षण जागरूकता और पुरुषार्थ के साथ व्यतीत करता है, वही वास्तविक सफलता प्राप्त करता है। आलस्य, प्रमाद व लापरवाही व्यक्ति को उसके लक्ष्य से दूर कर देते हैं, जबकि पुरुषार्थ उसे ऊँचाइयों तक पहुंचाता है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता, जो समय का सम्मान करता है, समय भी उसका सम्मान करता है।

गुरुदेव ने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार किसान समय पर बीज बोता है तो भरपूर फसल प्राप्त होती है, उसी प्रकार जीवन में सही समय पर किया गया पुरुषार्थ व्यक्ति के भविष्य को उज्ज्वल बनाता है। समय निकल जाने के बाद पश्चाताप करने से कोई लाभ नहीं होता। उन्होंने कहा कि संसार में वही व्यक्ति महान बनता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारता और निरंतर प्रयास करता रहता है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि सतत परिश्रम, अनुशासन और धैर्य ही सफलता की नींव हैं।

गुरुदेव ने माता-पिता को भी प्रेरणा देते हुए कहा कि वे बच्चों में बचपन से ही परिश्रम, अनुशासन और समय के सदुपयोग के संस्कार विकसित करें। संस्कारवान और पुरुषार्थी युवा ही परिवार, समाज और राष्ट्र की सच्ची शक्ति बन सकते हैं। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के विचारों को श्रद्धापूर्वक सुना। धर्म सभा में नवरत्न दोशी, इंद्र मुणोथ, सुशील ललवानी, राजेश ललवानी, सुरेश डुंगरवाल, गौतम मुथा दुलीचंद एवं युवा वर्ग व महिलाओं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ के अध्यक्ष डा. संजय पिंचा ने किया। प्रवचन वाणी का संकलन संघ के महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने किया।

बुरी आदतों से मुक्त हुए बिना सुख-शांति संभव नहीं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद । शहर के नामपल्ली स्थित एग्जिबिशन ग्राउंड में जगद गुरु हीरसूरि वाटिका में शनिवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य ही ज्ञान और विवेक से संपन्न हो सकता है। पशु-पक्षियों के पास इनकी कोई संभावना नहीं है। मानवजाति को मिले ये दोनों विरल तत्व जीवन की उन्नति और सुख-शांति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ज्ञान और विवेक के अभाव में गलत आदतें हमें घेरने लगती हैं। दुर्जनों से दूर रहकर और साधु-संतों का सत्संग कर गलत आदतों से बचा जा सकता है। धूम्रपान, गुटखा, शराब, मांसाहार, हुक्का, ड्रग्स आदि का सेवन, जुआ, झूठ, चोरी, शिकार, हिंसा, व्यभिचार, गलत खानपान, अभद्र रहन-सहन, सब दुःखदायी हैं। ये सब बुराइयां न सिर्फ खुद को बल्कि परिवार और परिवेश को भी परेशानियां देती हैं। बुरी आदतों को दूर करना बहुत जरूरी है। कोई भी गलत आदत कालांतर में सिर्फ दुःख ही देगी। बुरी आदतों से मुक्त हुए बिना सुख और शांतिमय जीवन की परिकल्पना नहीं हो सकती। स्वभाव और आदतों में गहरा अंतर होता है। स्वभाव भीतर से प्रकट होता है, जबकि आदतें बाहर से ओढ़ी जाती हैं। आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य का जीवन मौज-शौक के लिए नहीं है। सुख, खुशी या स्वतंत्रता के लिए मनमानीपूर्वक कुछ भी कर लेना उचित नहीं है। कई बार लोग अपनी खुशी के लिए दूसरों को पीड़ा पहुंचा देते हैं। यह सर्वथा अनुचित और अमानवीय है। गलत मौज-शौक के बार जीवन को संकट में डाल देते हैं। ऐसी सभी हरकतों से बचने के लिए विवेक और ज्ञान चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

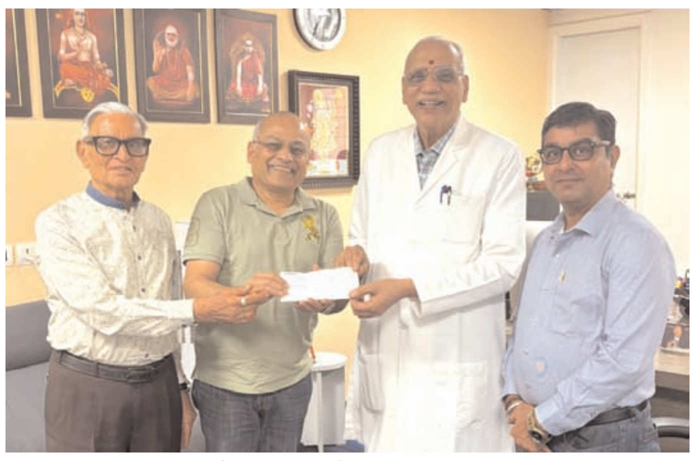

कैंसर पीड़ितों की सहायता

बेंगलूरु के मार्गदर्शन फाउण्डेशन के कमलेश डूंगरवाल ने शनिवार को श्री शंकरा कैंसर फाउण्डेशन के डॉ. बीएस श्रीनाथ को जरूरतमंद कैंसर पीड़ितों की सहायता हेतु 11 लाख रुपए की राशि का चेक भेंट किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र कुमार, प्रशांत सिंघी व शंकरा अस्पताल की टीम के सदस्य उपस्थित थे।

ज्ञान प्राप्ति के लिए योग्यता अति आवश्यक : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश के सान्निध्य में आयोजित आध्यात्मिक चिंतन शिविर में मुनिश्री ने कहा कि अमृत जैसा पवित्र ज्ञान और महापुरुषों के आशीर्वाद रूपी वस्तु भी हो, परन्तु पात्र शुद्ध नहीं है तो अमृत जैसी वस्तु जहर के रूप में परिवर्तित हो जाएगी, जैसे स्वाति नक्षत्र की बूंद अग्नि में गिरती है और जलकर स्वाहा हो जाती है, सांप के मुंह में जहर, समुद्र में गिरे तो खारा पानी और सीप के मुंह में गिरे तो मोती बन जाती है। वैसे ही महापुरुषों की पवित्र वाणी रूपी स्वाति नक्षत्र की बूंद यदि हमें मिल रही है तो हमें उसके योग्य पात्र बनना होगा और इसके लिए व्यक्ति को क्रोध, अहंकार, माया, छल, कपट, दुर्भावना को त्यागना होगा। अनंत काल से संसार में परिभ्रमण करने का मुख्य कारण भी यही है।मुनिश्री ने कहा कि जिसमें विनय, सरलता, करुणा, प्रेम और सद्भाव का वास हो तो उसका मन मंदिर बन जाता है। पवित्र हृदय में ही परमात्मा का निवास होता है। स्वाध्याय संघ के अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। संघ के अध्यक्ष सुभाष दरड़ा ने सभी का स्वागत किया।

'प्रेमचंद : एक विभूति' विषयक संयुक्त संगोष्ठी आयोजित

कोयम्बटूर/दक्षिण भारत । यहां महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयम्बत्तूर तथा अविनाशीलिंगम गृह विज्ञान एवं महिला उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रेमचंद : एक विभूति' विषय पर एक संयुक्त संगोष्ठी का आयोजन हिन्दुस्तान कॉलेज के चाणक्य हॉल में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिन्दुस्तान कॉलेज के अन्य भाषा विभाग (हिंदी) एवं अविनाशीलिंगम विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी को बैंक ऑफ इंडिया, कोयम्बत्तूर अंचल द्वारा प्रायोजित किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में कमांडर एस. श्रीरामकृष्णन (सेवानिवृत्त) उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक हिन्दुस्तान कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ए. पोन्नुसामी तथा अविनाशीलिंगम विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. भारती हरिशंकर रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में बैंक ऑफ इंडिया, कोयम्बत्तूर अंचल के आंचलिक प्रबंधक रणजीत कुमार एवं राजभाषा अधिकारी अमित कुमार का विशेष सहयोग रहा। संगोष्ठी का संयोजन हिन्दुस्तान कॉलेज के अन्य भाषा विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार, अविनाशीलिंगम विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शशिप्रभा जैन तथा हिन्दुस्तान कॉलेज की सहायक प्राध्यापक डॉ. सरला जांगिड़ ने किया। संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से आए प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वक्ताओं ने मुंशी प्रेमचंद के साहित्य, उनकी सामाजिक चेतना, यथार्थवादी दृष्टि, मानवीय मूल्यों तथा समकालीन समाज में उनकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्रों में प्रेमचंद के साहित्य के विविध आयामों पर गंभीर विमर्श किया गया, जिसकी उपस्थित विद्वानों ने सराहना की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.